MUMBAI TARANG

व्यवहार घर का
शुभ कलश है,
और इंसानियत
घर की तिजोरी।।

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-16 ❖ मुंबई ❖ रविवार 10 से 16 अप्रैल 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
महाराष्ट्र में जारी है सेंट्रल एजेंसीज का एक्शन:मुंबई में शिवसेना के बड़े नेता यशवंत जाधव की 40 प्रॉपर्टीज को IT डिपार्टमेंट ने जब्त किया

पेज 5
टीवी शो " भाभीजी घर पर हैं " फेम अभिनेत्री जागृति सिंह परिहार कर रही हैं 2 साउथ फिल्मे और अल्बम्स

पेज 7
अल्लू अर्जुन ने रियल लाइफ में तोड़े ट्रैफिक रूल्स

पेज 8
भाजपा के 42 स्थापना दिवस पर मीरा भाईंदर मे कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजन संपन्न

महाराष्ट्र में ST कर्मचारियों का आंदोलन जारी

CSMT स्टेशन के बाहर जमा हुए कर्मचारी, शरद पवार के घर चप्पल फेंकने के आरोप में 107 गिरफ्तार

एनसीपी चीफ शरद पवार के मुंबई स्थित घर 'सिल्वर ओक' के बाहर प्रोटेस्ट करने वाले महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के 107 कर्मचारियों को पुलिस ने देर रात अरेस्ट कर लिया है।

मुंबई के गांवदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज केस में इनपर हिंसा की साजिश रचने और दंगे से जुड़े हालात तैयार करने से जुड़ी धाराएं लगाई गई हैं। अरेस्ट करने के बाद इन सभी लोगों के स्टेटमेंट रिकॉर्ड किए गए हैं।

आज एनसीपी के कार्यकर्ता और नेता राज्य भर में इस घटना के विरोध में मूक मोर्चा निकालने वाले हैं। वहीं, मुंबई में एसटी के कर्मचारी फिर एक बार प्रोटेस्ट करने के लिए मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन पर पहुंचे हैं।

उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों को माना नहीं जाता वे प्रदर्शन जारी रखेंगे। उनके प्रदर्शन के ऐलान को देखते हुए मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर भारी संख्या में फोर्स तैनात की गई है।

CM ने की शरद पवार से बातचीत

इस घटना के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शरद पवार से फोन पर बात की। इसके बाद पुलिस आयुक्त संजय पांडे से बात की। उन्होंने पुलिस आयुक्त से पवार की सुरक्षा तैयारी को लेकर चिंता और असंतोष जताया।

इसके बाद इस मामले की उच्च स्तरीय पुलिस जांच शुरू की गई और केस दर्ज हुआ।

साजिश की जांच कर रही मुंबई पुलिस

मुंबई पुलिस यह जांच कर रही है कि साजिश के तहत तो आंदोलनकारियों को भड़काया नहीं गया। इस बीच पुलिस ने कर्मचारियों के वकील गुणरत्न सदावर्ते के घर पहुंच कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। कुछ देर में अन्य आरोपियों को गिरगांव कोर्ट में पेश किया जाएगा। इन पर आईपीसी की धारा 120- ब और 353 के तहत केस दर्ज किया गया है। इन दोनों ही धाराओं में जमानत मिलना मुश्किल होती है।

आरोपी वकील की पत्नी ने बदले की कार्रवाई का आरोप लगाया

इस बीच गुणरत्न सदावर्ते की पत्नी जयश्री पाटील ने आरोप लगाया है कि पुलिस भिजवा कर शरद पवार उनके पति से बदला ले रहे हैं। गुणरत्न ने भी गांव देवी पुलिस स्टेशन में अंदर जाते वक्त मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्हें बिना कुछ बताए पुलिस स्टेशन लाया गया। उनकी जान को खतरा है और उन्हें कुछ हुआ तो इसके लिए महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटील जिम्मेदार होंगे।

पुलिस को साजिश के सबूत मिलने लगे

पुलिस के हाथ वकील गुणरत्न सदावर्ते के भाषणों के कुछ क्लिप्स लगी हैं। कर्मचारियों को भड़काने के लिए इन्हीं क्लिप्स को जिम्मेदार माना जा रहा है। उन्होंने अपने गुरुवार के एक भाषण में 12 अप्रैल को बारामती जाकर शरद पवार की पोल खोलने का आह्वान किया था।

शरद पवार ने कहा- आंदोलन का नेतृत्व गलत

इस प्रोटेस्ट को लेकर एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि वे एसटी कर्मचारियों के साथ खड़े हैं, लेकिन उनके पीछे के गलत नेतृत्व के विरोध में हैं।

अगर आंदोलन का नेतृत्व गलत होता है तो आंदोलन इसी तरह भटक जाता है। उन्होंने कहा, 'पिछले 50 सालों से मैंने राज्य परिवहन निगम के कर्मचारियों के आंदोलन का नेतृत्व किया है। लेकिन आंदोलन का यह मोड़ लेना गलत नेतृत्व का नतीजा है।'

शरद पवार की पार्टी एनसीपी ने उनके मुंबई स्थित घर के बाहर राज्य परिवहन के कर्मचारियों द्वारा घेराव किए जाने और पत्थर-चप्पलें फेंके जाने की घटना की कड़ी आलोचना की है। एनसीपी ने कहा है कि महाराष्ट्र की आंदोलन करने की ऐसी परंपरा और संस्कृति नहीं रही है।

नाराज कर्मचारियों ने पथराव और चप्पलें फेंकी

पिछले 6 महीनों से राज्य सरकार में विलय की मांग को लेकर महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम के कर्मचारी एनसीपी चीफ शरद पवार के घर के बार दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर पहुंचे और चोर-चोर कह कर जोरदार नारेबाजी और पत्थर बाजी करने लगे।

आंदोलनकारियों में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं। प्रदर्शनकारी 'चप्पल मारो, चूड़ियां तोड़ों' का नारा लगा रहे थे। शरद पवार को चोरों का सम्राट कहा जा रहा था और उन्हें आंदोलन में अब तक हुई 120 कर्मचारियों की मौत का जिम्मेदार बताया जा रहा था।

संजय राउत का बड़ा आरोप

शिवसेना सांसद ने कहा-बीजेपी और केंद्र सरकार मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की साजिश रच रहे हैं

शिवसेना नेता संजय राउत ने शुक्रवार को भाजपा पर मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। राउत ने कहा कि गृह मंत्रालय को इस बारे में एक प्रेजेंटेशन दिया गया है। राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया और पार्टी के नेताओं, बिल्डरों, व्यापारियों का एक समूह इस साजिश का हिस्सा है।

राउत ने कहा कि इस संबंध में बैठकें हुई हैं और इस उद्देश्य के लिए धन एकत्र किया जा रहा है। यह प्रक्रिया पिछले दो महीनों से चल रही है। राउत ने यह भी कहा कि मैं जो भी कह रहा हूं, उसे साबित करने के लिए मेरे पास सबूत हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी इस घटनाक्रम से अवगत हैं।

अदालत में जा सकते हैं सोमैया

राउत ने दावा किया है कि इस संबंध में सोमैया जल्द ही अदालत में जा सकते हैं। वे यह दावा कर सकते हैं कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मराठी लोगों का प्रतिशत बहुत कम हो गया है और इसलिए इसे केंद्र सरकार के शासन के तहत एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए।

मुंबई का एक बिल्डर और वाराणसी का एक व्यक्ति साजिश में शामिल

संजय राउत ने कहा, 'किरीट सोमैया झूठे कागजात लेकर अक्सर दिल्ली जाते हैं। किरीट सोमैया और उनके लोगों की मुंबई को केंद्रशासित प्रदेश बनाने की बड़ी साजिश शुरू है।

इसमें सोमैया के साथ मुंबई के एक बड़े बिल्डर का हाथ है। यह मेरा कोई आरोप नहीं है। यह हकीकत है। इस साजिश के सूत्रधार किरीट सोमैया हैं। उनके साथ इस साजिश में पांच लोग मुख्य रूप से शामिल हैं, जिनमें वाराणसी का एक शख्स और मुंबई के बीजेपी से जुड़े एक बड़े बिल्डर हैं। इस काम के लिए पैसे जुटाने की कोशिशें शुरू हैं।'

इसके अलावा संजय राउत ने एक ट्वीट भी किया है। इस ट्वीट में उन्होंने एक बार फिर किरीट सोमैया पर सेव विक्रांत के लिए जमा किए गए करोड़ों रुपए के घोटाले का इल्जाम लगाया। ट्वीट में राउत ने लिखा, 'महात्मा सोमैया इधर उधर की बात मत कर। सिर्फ येही बता..save vikrant के लिये जमा किया गयापैसा किधर.. गया। मुद्दा तो यही हैं ना.. देश के नाम पर आपने चोरी की है या नही? नौटंकी बंद करो.. आंकडे का खेल बाद में खेलेंगे। it's the matter of police investigation. समझा क्या?'

महाराष्ट्र में विद्युत संकट, 150 करोड़ रुपये में खरीदी जाएगी अतिरिक्त बिजली

मुंबई: बढ़ती गर्मी, किसानों और उद्योगों की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने अतिरिक्त बिजली खरीदने की अनुमति दी है। माना जा रहा है कि जून तक बिजली की मांग करीब 30,000 मेगावॉट तक जा सकती है। ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने कहा, 'ऊर्जा विभाग ने लोडशेडिंग को टालने के लिए कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) कंपनी के साथ 760 मेगावाट बिजली खरीदने का करार किया है। मंत्रिमंडल ने बिजली खरीदने का पूरा अधिकार महावितरण कंपनी को दे दिया है। इस पर 150 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बिजली खरीदने के लिए अब मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य में बिजली कटौती नहीं होने दी जाएगी।' मंत्री ने कहा कि महावितरण सीजीपीएल कंपनी से 4.50 रुपये से 5.50 रुपये प्रति यूनिट की दर पर महाराष्ट्र को बिजली मिल सकती है, जबकि पावर एक्सचेंज से 10 से 12 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली उपलब्ध हो सकती है।

शरद पवार के आवास पर प्रदर्शन पर अजीत पवार बोले, मास्टरमाइंड का पता लगाएगी पुलिस

पुणे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि शरद पवार के मुंबई आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन के मास्टरमाइंड का पुलिस पता लगाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों का विरोध खुफिया विफलता था। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। पुणे में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए अजीत पवार ने कहा कि यह खुफिया विफलता थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को घटना की जांच के लिए नियुक्त किया गया है, वह यह पता लगाएगा कि इस घटना के पीछे कौन था। उनके मुताबिक, मीडिया वहां देखा गया था, जिसका मतलब है कि मीडिया के पास

जानकारी थी लेकिन क्यों पुलिस ने यह सारी जानकारी नहीं जुटाई। मुझे लगता है कि इसकी भी जांच की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या विरोध के पीछे कोई राजनीतिक हाथ था, मंत्री ने कहा कि जब तक पुलिस अपनी रिपोर्ट दर्ज नहीं करती, मुझे कोई आरोप नहीं लगाना चाहिए या किसी राजनीतिक दल या नेता का नाम नहीं लेना चाहिए। अजीत पवार ने कहा कि मुझे यकीन है कि पुलिस इस घटना के मास्टरमाइंड का पता लगा लेगी, जिसके कारण यह हुआ था। एक बार उन्हें पता चल जाएगा, तो यह सबके सामने आ जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पहले विरोध प्रदर्शन की निंदा की थी और प्रशासन को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। ठाकरे ने कहा कि मैंने गृह मंत्री को हिंसा भड़काने या भड़काने वालों के साथ-साथ इसे भड़काने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। किसी को भी इस तरह से काम नहीं करना चाहिए, जिससे कानून-व्यवस्था को खतरा हो।

निलंबित IPS सौरभ त्रिपाठी के खिलाफ एक और रंगदारी का मामला, कारोबारी से वसूले 55 लाख

मुंबई, निलंबित आईपीएस अधिकारी सौरभ त्रिपाठी के खिलाफ रंगदारी वसूली का एक और मामला सामने आया है। मामला मुंबई के मालाबार हिल इलाके में एक कारोबारी से 55 लाख रुपये की रंगदारी से जुड़ा है। बता दें कि इससे पहले भी आईपीएस अधिकारी सौरभ त्रिपाठी के खिलाफ मुंबई पुलिस ने दक्षिण मुंबई स्थित फोफले वाड़ी में आंगडिया से 10 लाख रुपये की रंगदारी वसूली का मामला दर्ज किया है। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। तब से ही सौरभ त्रिपाठी फरार हैं। गौरतलब है कि बीती 6 अप्रैल को आंगडिया से 10 लाख रुपये वसूलने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने फरार आइपीएम सौरभ त्रिपाठी के जीजा असिस्टेंट सेल्स कमिश्नर आशुतोष कुमार मिश्रा को गिरफ़्तार किया था। वह लगातार सौरभ त्रिपाठी के संपर्क में था। उनके नौकर को भी इससे पहले गिरफ़्तार किया गया था। अब पुलिस सौरभ त्रिपाठी की तलाश में जुटी हुई है।

म्हाडा कॉलोनियों के पुनर्विकास के स्टैंप ड्यूटी को लेकर बनेगी नई नीति-मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की घोषणा

मुंबई। महानगर मुंबई में जर्जर ५६ म्हाडा कॉलोनियों के पुनर्विकास में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार हर विकासकों को स्टैंप ड्यूटी भरने को लेकर सहूलियत देगी। आगामी दिनों में विकासक स्टैंप ड्यूटी एक साथ भरने की बजाय अलग-अलग चरण में जमा कर सकेंगे। इस मामले में सरकार जल्द ही नई नीति बनाएगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की है। शुक्रवार को मुंबई शहर के विभिन्न मुद्दों को लेकर वर्षा निवास स्थान में आयोजित एक बैठक में मुख्यमंत्री बोल रहे थे। इस बैठक में उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे, गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड, परिवहन मंत्री अनिल परब के साथ सांसद अरविंद सावंत, विधायक सुनील प्रभु, अजय चौधरी, प्रकाश सुर्वे तथा मुख्य सचिव मनुकुमार श्रीवास्तव आदि संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस बैठक में राजस्व, वित्त एवं गृह निर्माण विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में संयुक्त नीति बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनपा म्हाडा कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, इस संबंध में मनपा और म्हाडा के अधिकारियों को मिलकर हल निकालने की जरूरत है और म्हाडा कॉलोनियों के शेष कार्यों को अगले कुछ दिनों में पूरा करने का भी उन्होंने निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ५०० वर्ग फुट तक के घरों के प्रॉपर्टी टैक्स को पूरी तरह से माफ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने मौजूदा हालात का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में ७ से ८ हजार इमारतों को बिना ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) दिए ही विकासक ने फ्लैटधारकों को मकान सौंप दिया है, जिसके चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन पर लगाया जानेवाला टैक्स दोगुना हो रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि ऐसे विकासकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना का कार्य तीन स्थानों वर्ली, एनएम जोशी मार्ग तथा नायगांव में शुरू हो गया है। झोपड़पट्टी पुनर्वास योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए अभय योजना लागू करने पर भी चर्चा हुई।

केंद्र के कारण राज्य में लोडशेडिंग संकट! केंद्र नहीं कर रहा है पर्याप्त कोयले की सप्लाई

मुंबई। कोयले की कमी से राज्य में बिजली संकट पैदा हो गया है लेकिन केंद्र सरकार जान-बूझकर पर्याप्त कोयले की आपूर्ति नहीं कर रही है, वहीं केंद्रीय जांच एजेंसी के माध्यम से महाविकास आघाड़ी सरकार के नेताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने इन मुद्दों को लेकर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के साथ शुक्रवार को चर्चा की। शरद पवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नाना पटोले ने कहा कि राज्य में गर्मी की वजह से जहां बिजली की मांग बढ़ी है, वहीं केंद्र सरकार राज्य को पर्याप्त कोयले की आपूर्ति नहीं कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप महाराष्ट्र में लोडशेडिंग की समस्या खड़ी हो गई है। इन मुद्दों पर जल्द कदम उठाए जाने की जरूरत है। पटोले ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बाधा डालने की वजह से राज्य में अंधेरा छाने का खतरा मंडरा रहा है, वहीं केंद्रीय जांच एजेंसी लगातार राजनीतिक बदले

की भावना से महाविकास आघाड़ी के नेताओं को निशाना बना रही है। केंद्र सरकार इस तरह का दबाव बनाकर महाविकास आघाड़ी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है, लेकिन केंद्र सरकार की यह मनमानी ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। जब केंद्रीय जांच एजेंसी माविआ नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करती है, तो भाजपा नेता कहते हैं कि जब कुछ गलत नहीं किया तो फिर डर क्यों रहे हैं? इसी तरह जब भाजपा नेता प्रवीण दरेकर समेत अन्य लोगों ने कोई घोटाला नहीं किया है, तो उनको भी मुंबई पुलिस की कार्रवाई पर सवाल नहीं खड़ा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आनेवाले दो से तीन दिनों में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाड़ी के सभी प्रमुख नेता राज्य से जुड़े मुद्दों पर एक साथ बैठकर चर्चा करेंगे। आईएनएस विक्रांत के बारे में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए नाना पटोले ने कहा कि 'विक्रांत बचाओ' अभियान के तहत भाजपा नेताओं ने जो पैसा जमा किया था, वह आखिर कहां गया? भाजपा नेताओं को इसका जवाब देना चाहिए। ऐसा दावा किया जा रहा है कि पैसा राजभवन भेजा गया था लेकिन खुद राजभवन ने स्पष्ट किया है कि उन्हें ऐसा कोई फंड नहीं मिला है।

कम हो कानूनी जकड़न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर सरकार ने एक बार फिर आम नागरिकों और खासकर उद्यमियों पर नियम-कानूनों की अनावश्यक जकड़न को कम करने की प्रक्रिया शुरू की है। कैबिनेट सेक्रेटरी ने विभिन्न विभागों के सचिवों को एक पत्र भेजकर उन्हें अपने दायरे में आने वाले उन कानूनी प्रावधानों की समीक्षा करने को कहा है, जो छोटे-मोटी चूकों या गलतियों को भी अपराध की श्रेणी में डाल देते हैं। ध्यान रहे, कुछ ही दिन पहले प्रधानमंत्री की अपने आवास पर सीनियर आईएएस ऑफिसरों के साथ एक बैठक हुई थी, जिसमें अन्य मुद्दों के अलावा इस मसले पर भी चर्चा हुई थी। जानकारों के मुताबिक प्रधानमंत्री की इस पहल का मकसद न केवल विभिन्न एजेंसियों और न्याय प्रक्रिया पर पड़ रहे बोझ को कम करना है बल्कि देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देना भी है। वैसे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह कोई नया अजेंडा नहीं है। काफी पहले से वह कहते रहे हैं कि सरकारों और सरकारी तंत्र के दायरे को कम करने की जरूरत है। यह

बात पहले से कही जाती रही है और प्रधानमंत्री मोदी इसे अन्य लोगों के मुकाबले ज्यादा शिद्दत से महसूस करते और व्यक्त करते रहे हैं कि सरकारी तंत्र का बेजा दखल देश में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने में बाधा बन रहा है। इसी क्रम में याद किया जा सकता है कि दो साल पहले भी कैबिनेट सेक्रेटरी ने वरिष्ठ अधिकारियों को इसी आशय का पत्र भेज कर उनसे यही गुजारिश की थी। अगर उस दिशा में कोई खास प्रगति इस बीच नहीं हो सकी तो उसके पीछे संभवतः उतार-चढ़ाव वाला वह असाधारण दौर रहा, जिससे कोरोना वायरस के कारण देश और दुनिया को गुजरना पड़ा। इस पूरी अवधि में स्वाभाविक ही सरकार और टॉप ब्यूरोक्रेसी की प्राथमिकता बदली रही। अच्छी बात यह है कि अब जब सामान्य स्थिति बहाल होती दिख रही है, सरकार ने अपने उस अजेंडे पर अमल की प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी है।

वैसे इसमें दो राय नहीं कि यह जरूरी और उपयोगी पहल है। लेकिन साथ ही यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि यह बड़ी फिसलन भरी राह है। नियम-कानूनों में ढील देने या इसकी जकड़न को कम करने के साथ यह खतरा भी जुड़ा हुआ है कि कहीं इस क्रम में कानून में ऐसे छिद्र न बन जाएं जो अपराधी तत्वों के लिए वरदान साबित हों। इसलिए कानूनी प्रावधानों की समीक्षा करते हुए आवश्यक और अनावश्यक के सवाल पर अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है। लेकिन फिर रेखांकित कर दिया जाए कि आगे बढ़ने की जरूरत अवश्य है। इससे न केवल उद्यमियों की राह आसान होगी और बिजनेस में इनोवेशन की गुंजाइश बढ़ेगी बल्कि सरकारी तंत्र के लिए भी बड़े और गंभीर अपराधों के उन्मूलन की कोशिशों पर ध्यान देना आसान होगा। साथ ही, अदालतों पर मुकदमेबाजी का बोझ भी इससे घटेगा।

बूचा नरसंहार के खिलाफ

किरीट ए. चावड़ा

यूक्रेन के बूचा शहर से आई खबरें, तस्वीरें और विडियो फुटेज दिल दहला देने वाले हैं। आश्चर्य नहीं कि इनके सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माहौल रूस के और खिलाफ हो गया है। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत ने न केवल इन घटनाओं की भर्त्सना की बल्कि इनकी स्वतंत्र रूप से जांच कराए जाने की भी मांग की। भारत ने हालांकि अपने बयान में इस बार भी रूस का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि यह यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत का अब तक का सबसे कड़ा बयान है। वैसे, रूस ने इन तस्वीरों और विडियो फुटेज को फर्जी बताया है। उसने कहा है कि रूसी फौज ने बूचा में आम लोगों की हत्या नहीं की है। इस बीच बदले अंतरराष्ट्रीय माहौल में अमेरिका की ओर से भारत पर रूस के खिलाफ स्पष्ट स्टैंड लेने का दबाव बढ़ना भी तय है। कई रूपों में इसकी शुरुआत भी हो गई है। वाइट हाउस प्रवक्ता ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में खास तौर पर भारत के संदर्भ में यह बात दोहराई कि उसके मुताबिक रूस से ऊर्जा और अन्य वस्तुओं का आयात बढ़ाना भारत के हक में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का बयान जारी होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारतीय विदेश मंत्री

एस जयशंकर से बातचीत की। एक सप्ताह के अंदर उन दोनों के बीच यह दूसरी बातचीत थी। ध्यान रहे, इसी सोमवार को वॉशिंगटन में दोनों के बीच टू प्लस टू मीटिंग होने वाली है। उधर न केवल पेंटागन ने भारत के रूस से एस 400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम खरीदने पर दोबारा टिप्पणी की है बल्कि अमेरिकी सांसदों ने रूस और भारत के बीच होने वाले डायमंड ट्रेड को भी निशाना बनाया है। हालिया रिपोर्ट के हवाले से इन सांसदों ने इस तथ्य की ओर ध्यान खींचा है कि दुनिया के 95 फीसदी हीरों की कटाई और पॉलिशिंग का काम भारत में होता है। ऐसे में रूसी कंपनियों द्वारा निकाले गए हीरों की भारत में कटाई और पॉलिशिंग किए जाने के बाद अगर वे अमेरिकी बाजार में बेचे जाते हैं तो बिना बाधा के रूसी कंपनी मुनाफा कमा लेती है। इन सांसदों ने बाइडन प्रशासन से इस कानूनी लूपहोल को दूर करने की अपील की है। ध्यान रहे, कटाई और पॉलिशिंग के बाद हीरों का निर्यात भारत के राजस्व का एक बड़ा स्रोत है। यह सालाना करीब 20 अरब डॉलर का कारोबार है। जाहिर है, अमेरिकी सांसदों की पहल आगे बढ़ी तो भारत को नुकसान होना तय है। बहरहाल, जहां तक रूस का सवाल है तो मानवाधिकार और शांति जैसे मसलों पर भारत का शुरू से स्पष्ट रुख रहा है जो कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दिए उसके कड़े बयान में भी जाहिर होता है। उस रुख से समझौता करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं समझा जाना चाहिए कि भारत किसी के दबाव में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को और अपने राष्ट्रीय हितों को अनदेखा करते हुए कोई कदम उठाएगा।

मोदी के मुकाबले पवार क्यों खड़े नहीं हुए

गणेश पाण्डेय

एनसीपी प्रमुख शरद पवार का यह बयान वैसे तो सामान्य है कि वह मोदी या बीजेपी विरोधी किसी गठबंधन का नेतृत्व नहीं करेंगे लेकिन गठबंधन बनता है तो मदद करेंगे, लेकिन मौजूदा माहौल में इस पर ध्यान देने की जरूरत है। अनेक विरोधी नेता सत्ता से बीजेपी को हटाना चाहते हैं, पर नेतृत्व की दावेदारी से बचते हैं। क्यों? उन्हें नरेंद्र मोदी को लेकर जनता की सोच का धीरे-धीरे एहसास हो गया है। चुनाव चाहे केंद्र का हो या राज्य का या स्थानीय निकाय का, मोदी बड़े मुद्दे के रूप में सर्वत्र उपस्थित हैं। यह असाधारण स्थिति है, जो पिछले छह दशकों से ज्यादा समय से नहीं देखी गई।

मोदी की लोकप्रियता भारी पड़ी

आखिर मोदी में ऐसा क्या है, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हुई? थोड़ी गहराई से देखें तो नजर आएगा कि नरेंद्र मोदी जब केंद्रीय सत्ता की दावेदारी में सामने आए थे, तब उनके पक्ष और विपक्ष दोनों में लहर की स्थिति थी। पिछले आठ वर्षों में विरोध की लहर कमजोर हुई और पक्ष की मजबूत। कुछ वर्ष पहले आप जहां जाते, मोदी समर्थकों के साथ विरोधी भी उसी आक्रामकता से सामने आते थे। आज मोदी का विरोध होता है, लेकिन उसमें वैसी आक्रामकता और वैसा संख्या बल नहीं है। ज्यादातर विरोध औपचारिक होकर रह गया है। यह स्थिति देश में ही नहीं, विदेश में भी है। एक नेता, जिसे देश और विदेश के विरोधियों ने महाखलनायक बना कर पेश किया, वह धीरे-धीरे अपने कार्यों और भाषणों से इतनी बड़ी संख्या में लोगों का हृदय बदलने में कामयाब हुआ है तो इसे असाधारण परिवर्तन कहना ही मुनासिब होगा। पांच राज्यों के हालिया विधानसभा चुनावों में आप जहां भी जाते, मोदी का नाम सबसे ज्यादा सुनने को मिलता। ऐसे मतदाताओं की संख्या काफी थी, जो कह रहे थे कि इस चुनाव में हम बीजेपी को वोट नहीं देंगे। लेकिन 2024 में मोदी हैं इसलिए उनके समर्थन में वोट जाएगा ही। इसका अर्थ यही है कि विधानसभा चुनाव में अगर किसी राज्य में बीजेपी का ग्राफ नीचे हुआ है तो उससे 2024 के अंकगणित का आकलन करना नासमझी होगी।

विरोधियों की समस्या है कि वे हमेशा नरेंद्र मोदी का आकलन अपनी एकपक्षीय विचारधारा के चश्मे से करते हैं और यहीं विफल हो जाते हैं। आप देश के किसी भी आदिवासी मोहल्ले में चले जाइए और पूछिए कि किसे वोट दोगे तो बिना सोचे स्त्री-पुरुष सब बोलेंगे कि मोदी को। उन सबकी आवाज ऐसी मुखर होती है कि जिन्हें मोदी के आविर्भाव के बाद समाज के मनोविज्ञान में आए परिवर्तनों का आभास न हो, वे दंग रह जाएंगे। दूसरी ओर आप बुद्धिजीवियों, पेशेवरों, वैज्ञानिकों, सैनिकों, किसानों, मजदूरों, कारीगरों, टैक्सी चालकों, रिक्शा चालकों आदि के बीच जाएं तो उनके मुंह से भी मोदी समर्थन की आवाज निकलती है।

उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान यादव

समूह मुख्यतः समाजवादी पार्टी के पक्ष में था। लेकिन उनमें भी ऐसे लोग मिलते थे, जो कहते थे कि मैं तो मोदी का समर्थन करना चाहता हूं लेकिन माहौल ऐसा है कि मेरा वोट माना ही नहीं जाएगा। एक सेना का नौजवान यादव मुझे मिला जिसने कहा कि मैं मोदीवादी हूं, क्योंकि मुझे मालूम है सेना और रक्षा के लिए उन्होंने क्या किया है, किंतु हमको समाजवादी पार्टी समर्थक बना दिया गया है। यह उदाहरण इतना स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है कि मोदी किस तरह उनके भी चहेते हैं जिनकी अपनी निश्चित दलीय निष्ठा या विचारधारा नहीं है।

ऐसा नहीं है कि दलीय और वैचारिक दायरे से बाहर के इन लोगों का समर्थन पाने के लिए मोदी ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की विचारधारा पर किसी तरह से समझौता किया। इसके उलट, उन्होंने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर ज्यादा स्पष्ट और मुखर होते हुए आम आदमी के कल्याण, विकास की सोच और विदेश व रक्षा नीति के बीच संतुलन बनाया है।

मोदी को हिंदुत्व का हीरो मानने वाले उनसे प्रसन्न हैं तो देश की सुरक्षा, विकास और विदेश में भारत की धाक जमाने की उम्मीद करने वाले भी संतुष्ट हैं। जिन्हें विरोध करना है वे भले स्वीकार न करें, देश और विदेश का बहुमत इसे स्वीकार करता है। जरा सोचिए, विपक्ष महंगाई का मुद्दा उठाता है तो भारी संख्या में लोग कहते हैं कि हम महंगा तेल लेंगे, लेकिन वोट मोदी को ही देंगे। ये सारे लोग अज्ञानी नहीं हैं। ऐसा भी नहीं कि उनकी जेबों पर महंगाई का दबाव नहीं पड़ता। इस हद तक जाकर मोदी का समर्थन करने के पीछे उनका यह विश्वास है कि देश और हम मोदी के हाथों ज्यादा सुरक्षित हैं।

आलोचक कहते हैं कि मोदी भाषण अच्छा देते हैं और लोगों को सम्मोहित कर लेते हैं। थोथे शब्दों से कोई इतने लंबे समय तक जनता का ऐसा विश्वास हासिल नहीं कर सकता।

आखिर समाज के निचले तबके से लेकर ऊपर तक, अनपढ़ से बुद्धिजीवियों तक और सामान्य कारीगर, रिक्शा चालक से लेकर वैज्ञानिक, नौकरशाह और विदेश के भारतवंशी तक- सब मोदी के बारे में इतनी सकारात्मक धारणा क्यों रखते हैं, इसका गहराई से अध्ययन किया जाए तो उत्तर मिल जाता है। सोचिए इसके पहले किस प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में ऐसे छोटे-छोटे मुद्दों और विषयों को उठाया! परीक्षा पर चर्चा करते और छात्रों के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए कौन नेता देखा गया! अनुच्छेद 370 हटाने के कट्टर समर्थक भी कल्पना नहीं करते थे कि अपनी जिंदगी में वे इसे साकार होते देखेंगे। अयोध्या में मंदिर निर्माण हो ही जाएगा, इसकी भी कल्पना नहीं थी।

विरासत नहीं, काबिलियत

ऐसा नहीं है कि मोदी को एक सुगठित और सशक्त बीजेपी विरासत में मिली थी। अंतर्कलह का शिकार और तेजी से लोकप्रियता खोती पार्टी ही मिली थी।

पार्टी को संभालना, उसे विचारधारा की पटरी पर लौटाना, क्षमायाचना की मुद्रा से बाहर ले आना और सबके साथ सरकार में देश के अंदर और बाहर संतुलन बनाते हुए नेतृत्व करना- मोदी की असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। विपक्ष में ऐसी असाधारण प्रतिभा वाला कोई नेतृत्व सामने आए तभी लगेगा कि मोदी को वास्तविक चुनौती मिली है।

दीवार पर लिखी इबारत पढ़ रहे हैं नीतीश

भूपेन्द्र पटेल

यह जरूरी नहीं होता है कि हर बात कही ही जाए। कुछ बातें ऐसी भी होती हैं जो बिना कहे ही महसूस होने लगती हैं। बिहार की पॉलिटिक्स में भी इन दिनों कुछ ऐसा ही हो रहा है। बीजेपी कह कुछ नहीं रही है लेकिन नीतीश कुमार वह सब कुछ महसूस कर रहे हैं जो बीजेपी उनसे कहना चाह रही है। जेपी आंदोलन से निकले नीतीश कुमार के पास अब करीब चार दशक का राजनीतिक अनुभव हो चुका है। वह अच्छी तरह से समझते हैं कि राजनीति में कोई किसी दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए नहीं आता है, बल्कि आगे बढ़ने के लिए ही कई बार किसी के पीछे चलना होता है। बीजेपी के लिए नीतीश का साथ कुछ इसी मिजाज का था। अब बीजेपी को यह लगने लगा है कि बिहार में उसे किसी के पीछे चलने की जरूरत नहीं रह गई है। बीजेपी को यह भी महसूस हो रहा है कि 2020 के चुनाव के वक्त उससे अपनी ताकत पहचानने में चूक हो गई थी। वह बिहार में खुद को जेडीयू से कमजोर समझ रही थी, लेकिन नतीजे आए तो पता चला कि बिहार में बीजेपी खुद ताकत बन चुकी है। उसे मिली जीत को नीतीश कुमार के चेहरे पर मिली जीत इसलिए नहीं कहा जा सकता है कि अगर वह जीत नीतीश कुमार के चेहरे पर मिली होती, तो जेडीयू बीजेपी से पीछे नहीं रहती। उस चुनाव में जेडीयू तीसरे नंबर पर रही थी। यह बात अलग थी कि बीजेपी चुनाव पूर्व किए अपने वादे पर कायम रही। उसने नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ा था। पार्टी नेतृत्व ने तब कहा था कि भले ही हमें जेडीयू से ज्यादा सीटें मिली हैं लेकिन हम अपने वादे पर कायम रहेंगे और नीतीश कुमार ही एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री होंगे।

कैसे बदलीं स्थितियां

नतीजों के वक्त आरजेडी सदन में संख्या के लिहाज से सबसे बड़ा दल था लेकिन बहुमत से दूर था। बीजेपी दूसरे नंबर पर थी और जेडीयू तीसरे नंबर पर। बीजेपी, जेडीयू, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, वीआईपी इन सभी दलों ने मिलकर सरकार बनाई थी।

लेकिन पिछले दिनों वीआईपी के तीन विधायकों के बीजेपी में शामिल हो जाने के बाद बीजेपी सदन में अब सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। सबसे बड़ी पार्टी हो जाने के बाद बीजेपी का दबदबा बढ़ना स्वाभाविक है। यहीं से राजनीतिक गलियारों से यह सवाल उठना भी शुरू हुआ कि सबसे बड़ी पार्टी हो जाने के बावजूद बीजेपी क्या अभी भी नीतीश कुमार को सीएम के रूप

स्वीकार करती रहेगी या फिर आने वाले दिनों में कोई बदलाव होगा?

बीजेपी की तरफ से बदलाव की कोई बात नहीं कही गई है, अलबत्ता बीजेपी कोटे से नीतीश सरकार में मंत्री शहनवाज हुसैन का यह बयान भी आया कि नीतीश कुमार ही 2025 तक बिहार की एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'अगर हमें अपना सीएम बनाने की जल्दबाजी होती तो नतीजे आने के बाद ही अपना दावा कर सकते थे, जब बीजेपी के मुकाबले ज्यादा सीटें आई थीं, लेकिन हम बिहार को दी गई जुबान पर कायम हैं।' मगर राजनीति में वैसा सब कुछ नहीं होता है, जैसा दिख रहा होता है। 'नीतीश कुमार ही 2025 तक मुख्यमंत्री रहेंगे' टाइप के बयान ही नीतीश कुमार को परेशान करने के लिए पर्याप्त हैं। एक तरह से ये बयान नीतीश कुमार को अहसास करा रहे हैं कि आप बीजेपी के रहमोकरम पर मुख्यमंत्री हैं। 70 की उम्र पार कर चुके नीतीश कुमार के लिए यह चुभने वाली बात तो है ही। कभी बीजेपी उनकी जूनियर पार्टनर हुआ करती थी, लेकिन अब नेतृत्व करने की स्थिति में आ गई है।

जेडीयू की बड़ी चिंता

जेडीयू के लिए सबसे बड़ी परेशानी की बात यह है कि बिहार में वह अकेले कोई ताकत नहीं है। वह ताकत तभी बनती है जब किसी के साथ होती है। नीतीश कुमार अब तक दो ही स्थिति में राज्य के मुख्यमंत्री हुए हैं-

एक जब वह बीजेपी के साथ रहे हैं या फिर जब वह आरजेडी के साथ रहे हैं। अकेले चुनाव लड़ने पर वह बहुत कमजोर साबित हुए हैं। 2014 का लोकसभा चुनाव उन्होंने अकेले लड़ा था। बीजेपी ने जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का फैसला किया था, तब नीतीश कुमार एनडीए से अलग हो गए थे और उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया था।

उस चुनाव में उन्हें राज्य की 40 विधानसभा सीटों में से सिर्फ दो पर ही जीत मिल पाई थी। जेडीयू से ज्यादा सीटें आरजेडी को मिली थीं। इस नतीजे ने नीतीश कुमार को आरजेडी के करीब जाने पर मजबूर किया था।

इस गठबंधन के जरिए नीतीश एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने में कामयाब तो हो गए थे लेकिन चुनाव में वह आरजेडी से कम सीट जीत पाए थे। आरजेडी को भी वह एक बात लगातार चुभ रही थी कि विधायक उसके ज्यादा लेकिन सीएम नीतीश कुमार। अंततः नीतीश कुमार को जब यह लगा कि आरजेडी के साथ उनकी ज्यादा निभ नहीं पाएगी तो उन्होंने बीच कार्यकाल में ही आरजेडी से गठबंधन खत्म कर बीजेपी से रिश्ता बना लिया था। 2020 के चुनाव में बीजेपी के साथ गठबंधन में वह फिर से मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए। अब एक बार फिर जब पर्दे के पीछे से खींचतान शुरू हुई है तो नीतीश कुमार यह समझ रहे हैं कि बीजेपी से अलग होना उनके लिए समझदारी वाला कदम नहीं होगा। बीजेपी से अलग होने के बाद उनके पास विकल्प ही क्या होंगे? आरजेडी उनके साथ गठबंधन तो कर सकती है लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं करेगी।

महाराष्ट्र में जारी है सेंट्रल एजेंसीज का एक्शन:मुंबई में शिवसेना के बड़े नेता यशवंत जाधव की 40 प्रॉपर्टीज को IT डिपार्टमेंट ने जब्त किया

भ्रष्टाचार को लेकर महाराष्ट्र में सेंट्रल एजेंसीज की कार्रवाई लगातार जारी है। देर रात इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए शिवसेना नेता और बृहन्मुंबई महानगर पालिका (BMC) की स्थायी समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव की 40 संपत्तियां जब्त की हैं। पिछले महीने जाधव के दो घरों और ऑफिस पर इनकम टैक्स ने छापेमारी की थी।

IT डिपार्टमेंट ने आज जो संपत्ति जब्त की है इसमें बांद्रा में 5 करोड़ रुपये का एक प्लॉट भी शामिल है। इसके अलावा भायखला में 31 फ्लैट और बांद्रा में 5 करोड़ के दो फ्लैट शामिल हैं। यह आयकर विभाग की पिछले एक साल में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। आयकर विभाग द्वारा शिवसेना नेता यशवंत जाधव की 40 संपत्तियों को जब्त किए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में फिर हलचल संभव है।

जाधव ने रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी प्रॉपर्टी

जाधव के साथ उनके रिश्तेदारों के नाम पर दर्ज कुछ प्रॉपर्टी को भी जब्त किया गया है।

माना जा रहा है कि यह भी यशवंत की बेनामी संपत्तियां हैं। जांच में सामने आया है कि जाधव ने मुंबई के ठेकेदार विमल अग्रवाल के स्वामित्व वाली कंपनी 'न्यूशॉक मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड', अपनी सास सुनंदा मोहिते के नाम पर होटल और अन्य संपत्ति अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी थी। जाधव का मातोश्री से सीधा संबंध आयकर विभाग ने छापेमारी के दौरान जाधव

मुंबई में शिवसेना के बड़े नेता और भायखला सीट से विधायक यामिनी जाधव के पति हैं यशवंत जाधव।

के घर से एक डायरी बरामद की थी। इस डायरी की जांच में केबलमैन और एम-ताई को पैसे देने का उल्लेख है। इससे पहले 'मातोश्री' को 2 करोड़ रुपए और 50 लाख की घड़ी देने की बात इसी डायरी में लिखी मिली थी।

हालांकि, जाधव ने दावा किया था कि मातोश्री शब्द का इस्तेमाल उन्होंने अपनी मां के लिए किया था और उन्होंने अपनी मां के जन्मदिन पर लोगों को तोहफे बांटे थे। राज्य के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का निजी निवास स्थान भी 'मातोश्री' के नाम से जाना जाता है।

सोमैया के आरोप के बाद हुई कार्रवाई! भायखला सीट से विधायक यामिनी जाधव के पति यशवंत जाधव ने कुछ दिन पहले यशवंत जाधव और मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर पर भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया था। सोमैया ने आरोप लगाया था कि जाधव ने कोविड संक्रमण काल के दौरान अपने और अपने रिश्तेदारों के खातों में 15 करोड़ रुपये डायवर्ट किए थे। सोमैया ने मंत्री आदित्य ठाकरे पर मेयर की कंपनी को ठेका देने का भी आरोप लगाया। सोमैया ने कहा था कि वह सभी एजेंसियों से शिकायत करेंगे। यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले समय में और नेताओं पर भी केंद्रीय एजेंसीज का शिकंजा कस सकता है।

पत्नी और बेटे के खाते में पैसे ट्रांसफर करने का आरोप

किरीट सोमैया ने कहा था, 'उद्धव ठाकरे की सेना का मनपा आय का जरिया है। यशवंत जाधव ने 15 करोड़ पीस डोनेट किए। प्रधान डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड के खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए गए। किरीट सोमैया ने दावा किया था कि उन्होंने 500 रुपये के 1 शेयर खरीदे। किरीट सोमैया ने यह भी आरोप लगाया था कि स्थायी समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव के खाते में 2 करोड़ रुपये, उनकी पत्नी यामिनी जाधव के खाते में 2 करोड़ रुपये, उनके बेटे निखिल जाधव को 50 लाख रुपये और उनके दूसरे बेटे यतिन जाधव को 50 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए।

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा था कि यशवंत जाधव ने शौरू ट्रेडिंग कंपनी के खाते में 3 करोड़ रुपये, क्रेसिडा ट्रेडर्स के खाते में 2 करोड़ रुपये और सुनंदा मोहिते के खाते में 5 करोड़ रुपये, उनके और उनके रिश्तेदारों के खाते में कुल 15 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए थे।

गोंदियाः चोरी का सामान किया जब्त, तीन गिरफ्तार

गोंदिया। पुलिस थानाअंतर्गत सुरजमल वॉर्ड में स्थित दक्ष ग्लास एंड एल्युमिनियम वर्कशॉप दुकान के शटर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने 11 हजार 500 रुपए का कीमती सामान चुराने का मामला बुधवार, 6 अप्रैल को सामने आया था। पुलिस ने 12 घंटों के भीतर ही सीसीटीवी फुटेज तथा जानकारी के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुराया सामान जब्त किया। आरोपी के नाम श्रीनगर शीतलामाता मंदिर निवासी अभिषेक विनोदसिंग चंदेल (20), माताटोली निवासी अभिषेक प्रेमलाल वर्मा(19) व चौहान चौक गोंदिया निवासी राहुल भरत जसवानी (19) बताया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिंधी कॉलोनी हरिओम वाटिका निवासी फरियादी हरीष गणेश पंजवानी(21) की मालकियत की दक्ष ग्लास एंड एल्युमिनियम वर्कशॉप का शटर तोड़कर उपरोक्त आरोपियों ने चार नग ड्रील मशीन, कटर मशीन, एल्युमिनियम डोअर किट बंद प्लास्टिक 14 नग इस तरह कुल 11 हजार 500 रुपए का सामान चुराया था।

कोयला खदान इलाके में नजर आए 3 बाघ

वणी। तहसील के पिंपलगांव कोयला खदान में काटाघर के पीछे तीन बाघ दिखाई देने से परिसर में दहशत फैल गयी है। कोयला खदान में कार्यरत मजदूरों को पिंपलगांव पिरसर के जंगल में बुधवार की दोपहर के दौरान खाई में 3 बाघ दिखाई दिए। बीते कुछ माह से इस परिसर में बाघ का विचरण बढ़ गया है। साथही लगातार किसानों के मवेशियों की बाघ व्दारा शिकार हो रही है। तहसील से सटे टिपेश्वर अभयारण्य के यह बाघ होने की आशंका जताई जा रही है। पिंपलगांव ही नहीं परिसर के कायर, नेरड, रासा, घोन्सा, सुकनेगांव, उकनी, निलजई दन वेकोलि क्षेत्र में बाघ दिखाई देना आम हो गया है। लेकिन पिंपलगांव परिसर में एक साथ तीन बाघ दिखाई देने से नागरिकों समेत मजदूरों में भय व्याप्त है। बुधवार की दोपहर बाघ दिखाई देने पर परिसर से कोई वाहन चालक न गुजरे इसका ध्यान रखा गया। लेकिन रात के दौरान भी मजदूरों को यहा काम के चलते आना पड़ता है। जिससे उनकी सुरक्षितता को लेकर सवाल उपस्थित किए जा रहे हैं। वन विभाग ने इन बाघों का बंदोबस्त करने की मांग हो रही है।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने लिया फैसला, अब IRCTC अहमदाबाद-मुंबई तेजस एक्सप्रेस हफ्ते में चलेगी 6 दिन

भारतीय रेलवे ने आईआरसीटीसी अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस के टाइम टेबल में बदलाव किया है. अब यह ट्रेन हफ्ते में 5 दिन चलने के बजाए 6 दिन चलेगी. रेलवे ने यह फैसला यात्रियों की सुविधा को देखते हुए लिया है. अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस (82902/89901) पहले हफ्ते में 5 दिन चला करती थी जिसे अब रेलवे ने 6 दिन कर दिया है. रेलवे यह नया नियम 12 अप्रैल से लागू होगा. पश्चिम रेलवे के नए टाइम टेबल के अनुसार अब यह ट्रेन मंगलवार के दिन भी चलेगी. आपको बता दें कि रेलवे अपने यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए तेजस जैसे कई प्रीमियम ट्रेन चला रहा है. तेजस एक्सप्रेस में यात्रियों को फ्लाइट जैसी सुविधाएं मिलती है. इस ट्रेन का किराया सामान्य ट्रेनों से अधिक है. गौरतलब है, कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) तेजस एक्सप्रेस को संचालित करता है.आपको बता दें कि गुजरात के अहमदाबाद से महाराष्ट्र के मुंबई के बीच इस ट्रेन का संचालन यात्रियों को बड़ी संख्या को देखते हुए किया जाता है. इस ट्रेन में कई बिजनेस यात्री ट्रैवल करते हैं. इस ट्रेन से वह कम समय में अहमदाबाद और मुंबई के बीच आना दाना कर पाते हैं. इसके साथ ही यात्री में उन्हें बेहतर सेवाएं भी मिलती है. इस ट्रेन का संचालन IRCTC ने 19 जनवरी 2020 से शुरू किया था. लेकिन, कोरोना महामारी शुरू होने के बाद इसके संचालन को लंबे वक्त के लिए बंद कर दिया था.कोरोना के मामले कम होने के बाद दोबारा इसके संचालन को मंजूरी मिली है.

नवी मुंबई में लोगों का ध्यान भटकाकर चुराते थे ATM, पुलिस ने किया 8 लोगों को गिरफ्तार

महाराष्ट्र की नवी मुंबई पुलिस ने एटीएम कार्ड चोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है जो मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं. एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. नवी मुंबई के पुलिस उपायुक्त (अपराध) सुरेश मेनगडे ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर बुधवार को इन आरोपियों को कर्नाला से गिऱफ्तार किया गया और उनके पास से हथियार भी बरामद किए गए.

उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से विभिन्न बैंकों के 89 एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए. अधिकारी ने बताया कि हाल के दिनों में नवी मुंबई पुलिस को कई शिकायतें मिली थीं कि एटीएम केंद्र पर कुछ लोग ध्यान भटका पर उनका एटीएम कार्ड चोरी कर और फर्जी एटीएम कार्ड से उन्हें बदलकर लोगों को निशाना बना रहे हैं. उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई और सभी आरोपी बिहार के मोतिहारी जिले के रहने वाले हैं. अधिकारी ने कहा कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद अपने गृह प्रदेश भाग जाते होंगे. उन्होंने बताया कि कम से कम 12 मामले इन आरोपियों के खिलाफ पनवेल, राबले, राबले एमआईडीसी, घाटकोपर और वर्ली पुलिस थानों में दर्ज है.

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बच्चा महावीर महतो (43), मुनीलाल कुमार कृष्ण महतो (25), नवीन इंदर पासवान (24), नरेश कुमार रामबाबू साहनी (31), सुनील बोंदा स्वामी (26), बदाई हीरामन साहनी (28), अवधेश लालजी पासवान (28) और मोहम्मद रिजवान मोहम्मद नन्ने (32) के तौर पर की गई है.

जाति प्रमाणपत्र और नॉन क्रिमिलेयर प्रमाणपत्र के अटके काम

वर्धा। जिलाधिकारी कार्यालय के सामने राजस्व कर्मचारी संगठन की वर्धा ईकाई द्वारा सोमवार 4 अप्रैल से लंबित पदोन्नत्ति और पदभरती की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बेमियादी आंदोलन शुरू किया गया है। जिसके चलते गुरुवार 7 अप्रैल को राजस्व कर्मियों द्वारा की जा रही हड़ताल का चौथा दिन था। राजस्व कर्मियों की हड़ताल के चलते जिले के आठों तहसील कार्यालय में रोजाना बनने वाले जाति प्रमाणपत्र और नॉन क्रिमिलेयर जैसे विविध प्रमाणपत्र के कार्य प्रभावित हो गए हैं। जिसके चलते शासन के नुकसान के साथ विद्यार्थी वर्ग और सामान्य जनता को परेशानी हो रही है।

एनसीबी के आंकड़े: देश में ड्रग्स की जब्ती 2020 में सबसे ज्यादा, कोरोना के दौरान हुआ बंद भी रहा बेअसर

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अफीम और हेरोइन सहित विभिन्न ड्रग्स की जब्ती 2020 में कोविड-19 के पहले वर्ष 2016 के बाद से सबसे अधिक थी। संघीय एंटी-नारकोटिक्स एजेंसी द्वारा संकलित आंकड़ों में कहा गया है कि अफीम की जब्ती 2019 में 4,488 किलोग्राम से बढ़कर 2020 में 5,212 किलोग्राम हो गई। इसी तरह हेरोइन की जब्ती 2019 में 3,231 किलोग्राम से बढ़कर 2020 में 3,838 किलोग्राम हो गई। 2019 में गांजा 3,42,045 किलोग्राम से 2020 में 5,81,644 किलोग्राम, इफेड्रिन 686 किलोग्राम से 841 किलोग्राम और हशीश 3,572 किलोग्राम से 6,643 किलोग्राम पर पहुंच गई। हाल ही में वर्ष 2020 के लिए प्रकाशित एनसीबी रिपोर्ट में यह कहा गया है।

कोकीन की जब्ती में आई कमी

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2020 के आंकड़े 2016 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए सबसे अधिक थे। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि 2019 तक पिछले वर्षों की तुलना में रिपोर्ट की गई अफीम बरामदगी की संख्या में भिन्नता रही है, जब्त की गई अफीम की मात्रा 2020 में 4,488 किलोग्राम से बढ़कर 5,212 किलोग्राम हो गई है। हालांकि, कोकीन की जब्ती 2019 में 66 किलोग्राम से गिरकर अगले वर्ष 2020 में 19 किलोग्राम हो गई। मुख्य रूप से महामारी के कारण भारत में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद होने के कारण ऐसा हुआ। अर्जेंटीना, ब्राजील, इथियोपिया और अफगानिस्तान से हवाई मार्ग भारत में ड्रग तस्करी का प्रमुख साधन है। कोरोना वायरस महामारी पहली बार दिसंबर 2019 में चीनी शहर वुहान से शुरू हुई और संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए भारत 24 मार्च 2020 के बाद पूर्ण रूप से बंद हो गया। एजेंसी ने 2020 के लिए नशीले पदार्थों के रुझान का विश्लेषण करते हुए कहा कि भारत में हेरोइन की बड़ी तस्करी जम्मू-कश्मीर और पंजाब के साथ भारत-पाकिस्तान सीमा के माध्यम से हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 में दक्षिण-पश्चिम एशियाई हेरोइन की समुद्री तस्करी में वृद्धि देखी जा रही है।

बीड़: उपमुख्यमंत्री अजित बोले - कोयला आपूर्ति में कमी के कारण हो सकती है महाराष्ट्र में लोड शेडिंग

बीड़। जिले की केज तहसील में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि कोयले की आपूर्ति में कमी के कारण राज्य को लोड शेडिंग के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इस सिलसिले में बैठक भी संपन्न हुई है। जिसमें महराष्ट्र सहित मराठवाड़ा के पदाधिकारी और विधायक भी उपस्थित हुए थे। इसके अलावा पवार

ने चीनी मिल संचालकों को हिदायत देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में खेतों से गन्ना खत्म होने के बाद ही चीनी मिलें बंद होनी चाहिए। शुक्रवार को चीनी मिल में डिस्टीलरी प्रकल्प के उद्घाटन के दौरान उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जनता को संबोधित किया। इस दौरान पवार ने कहा कि मराठवाड़ा को सांधु-संतों की भूमी कहा जाता है, हम सब किसान के बेटे हैं। हमारे राज्य में 9 साल में तीन बार सूखे के हालात बने। जिससे सूखाग्रस्त किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जो अभी भी जारी है। पवार ने कहा कि मुझे मालूम है की महाराष्ट्र में कुछ चीनी मिलों की व्यवस्था गड़बड़ है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में सहकार और निजी सहित सभी चीनी मिलें हर हाल में शत प्रतिशत गन्ने की पेराई करें। खेतों से गन्ना खत्म होने के बाद ही चीनी मिलें बंद की जाएं। चीनी मिलो का घाटा नहीं होगा। महाराष्ट्र में चीनी मिलो को ट्रांसपोर्ट सब्सिडी भी दी जाएगी।

खँ के नाम पर ठगी : 29 लाख जीतने और कार मिलने का झांसा देकर ऐंठी रकम

बीड़। केबीसी के नाम पर फोन और वीडियो कॉल लॉटरी का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी लगाने वाले चार आरोपी अब पुलिस के शिकंजे में हैं। बताया जा रहा है कि करोड़ों रुपए के इनाम का झांसा देकर शिकायतकर्ता से 29 लाख 23 हजार रूपए की ठगी की गई। इस वारदात को अंजाम देने के लिए शातिर आरोपियों ने पहले तो पीड़ित को एक फर्जी वाट्सएप ग्रुप में शामिल किया। फिर उसे फोन किया गया। इसके अलावा वीडियो कॉलिंग भी की गई थी। इस दौरान पीड़ित को 25 लाख रुपए की लॉटरी लगने की जानकारी दी गई, साथ ही बताया गया कि मोदी रकम के अलावा उसे कार भी गिफ्ट मिलने जाने वाली है। रकम जमाकरने के बाद जब पीड़ित को ठगी का अंदेशा हुआ, तो उसने पुलिस को जानकारी दी।

फिर कार पंक्चर कर यात्रियों से 64 हजार का माल लूटा

समुद्रपुर। महामार्ग पुलिस चौकी से 5 से 6 किलोमीटर दूरी पर हिरडी शिवार में वणी की ओर जा रहे यात्रियों की कार पंक्चर कर 64 हजार 500 रुपये का माल लूट लिया गया। यह वारदात गुरुवार 7 अप्रैल को तड़के 2 बजे के करीब हुई। महामार्ग पर लूटपाट की यह दूसरी घटना है। मंगलवा की रात महामार्ग पर कार का टायर पक्चर कराकर यात्रियों से पौने दो लाख रुपए का माल लुटा गया। लगातार हो रही लूटपाट की घटनाओं से पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्न निर्माण हुआ है। जानकारी के मुताबिक नागपुर से वणी की ओर एमएच 29 एडी 5708 क्रमांक की कार से कुछ यात्री जा रहे थे। दरम्यान हिरडी परिसर में अज्ञात लुटेरों ने नुकीली चीज रास्ते पर डालकर कार पंक्चर की। वाहनचालक ने कार रोकने पर अज्ञात लुटेरों ने उनके साथ मारपीट की। कारचालक अकीब खान उस्मान खान पठान (22) वणी निवासी और उसकी पत्नी के गहने ऐसा कुल 64 हजार 500 रुपये का माल लूट लिया गया। इसके पहले तीन बार इसी प्रकार की घटनाएं हुई हैं।

ठाणे कोर्ट: शादी के वक्त छुपाई थी समलैंगिक होने की बात, आरोपी को नहीं मिली जमानत

मुंबई। ठाणे कोर्ट ने अपनी समलैंगिता को छुपाकर पत्नी के साथ धोखाधड़ी करने वाले आरोपी के अग्रिम जमानत आवेदन को खारिज कर दिया है। आरोपी अपने साथ अपने साथी को भी हनीमून पर लेकर गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आरएस गुप्ता ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी ने शिकायताकर्ता (पत्नी) को न सिर्फ वित्तीय नुकसान पहुंचाया है बल्कि उसके जीवन को अपूर्णीय क्षति भी पहुंचायी है। क्योंकि शिकायतकर्ता की मां ने अपनी बेटी की शादी में 19 लाख रुपए खर्च किए थे। मामले से जुड़े दंपति का नवंबर 2021 में विवाह हुआ था। पत्नी ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में दावा किया था कि जब उसने अपने पति के

व्हाट्सएप संदेश देखे तो मुझे उनके लैंगिक रुझान के बारे में पता चला। इसके अलावा मेरे पति ने अपने वेतन को लेकर फर्जी ऑफर लेटर दिखाया था। न्यायाधीश के सामने सरकारी वकील वीए कुलकर्णी ने दावा किया कि आरोपी ने शादी से पहले इस तथ्य को अपनी पत्नी से छुपाया था कि वह समलैंगिक है। इस तरह से आरोपी का यह कृत्य पत्नी के साथ धोखाधड़ी करने जैसा है। पुलिस को जांच के दौरान पता चला है कि आरोपी अपने पुरुष साथी के साथ संपर्क में था। आरोपी के फोन चैट से इस बात का खुलासा हुआ है। वहीं आरोपी के वकील ने कहा कि मेरे मुवक्किल को परेशान व बदनाम करने के लिए उन पर इस तरह के आरोप लगाए गए हैं। इसलिए मेरे मुवक्किल को राहत प्रदान की जाए। किंतु न्यायाधीश ने मामले से जुड़े दोनों पक्षों व प्रकरण से जुड़े सबूतों पर गौर करने के बाद पाया कि आरोपी अपने समलैंगिक साथी के संपर्क में था। न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले में आरोपी द्वारा अपना लैंगिक रुझान छुपाने की हरकत से न सिर्फ शिकायतकर्ता को वित्तीय नुकसान हुआ है बल्कि एक युवती का पूरा जीवन नष्ट हो गया है। यदि आरोपी अपनी बाते छुपाने की बजाय उसे सार्वजनिक कर देता तो शायद परिणाम ऐसा न होता।

मुंबई में हादसा: जेजे अस्पताल में बिल्डिंग की मरम्मत के दौरान गिरी छत, एक मजदूर की मौत

अधिकारी के बयान के अनुसार, जब जेजे अस्पताल परिसर के अंदर मेट्रोन बिल्डिंग की छत का एक हिस्सा गिरा, उस समय पांच मजदूर घटनास्थल पर काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एसएम विशाल डेकोरेटर्स के मालिक ने सावधानी नहीं बरती, जिसके कारण हादसा हुआ।

देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई में स्थित सरकारी जेजे अस्पताल में हादसा हो गया। यहां अस्पताल परिसर में स्थित एक बिल्डिंग की मरम्मत के दौरान छत का एक हिस्सा गिर गया। इस हादसे में एक पचास वर्षीय मजदूर की मौत हो गई और एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर लगभग ढ़ाई बजे जब मेट्रोन बिल्डिंग में काम चल रहा था उस समय ये हादसा हुआ।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान मोतीफुल शेख के रूप में हुई है। जबकि मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे लेकर बिल्डिंग की मरम्मत के कार्य में लगी एक निजी फर्म के मालिक पर लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है। वहीं इससे पहले दिन में, अधिकारियों ने कहा था कि मृतक की उम्र 15 वर्ष थी।

अधिकारी के बयान के अनुसार, जब जेजे अस्पताल परिसर के अंदर मेट्रोन बिल्डिंग की छत का एक हिस्सा गिरा, उस समय पांच मजदूर घटनास्थल पर काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एसएम विशाल डेकोरेटर्स के मालिक ने सावधानी नहीं बरती।

अब राज्यपाल कोटे से विधायक नहीं बनना चाहते राजू शेट्टी, राज्यपाल से मिले

मुंबई। राज्य की सत्ताधारी महा विकास आघाडी से नाता तोड़ने वाले स्वाभिमान शेतकरी संगठन के अध्यक्ष राजू शेट्टी राज्यपाल कोटे से विधान परिषद सदस्य नहीं बनना चाहते। शेट्टी ने शुक्रवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात कर कहा कि यदि राज्य सरकार राज्यपाल कोटे से उन्हें विधान परिषद सदस्य मनोनीत करने की अनुशंसा करे, तो वह इसपर विचार न करें। शेट्टी ने यहां राजभवन में कोश्यारी से मुलाकात कर यह अनुरोध किया। स्वाभिमानी शेतकारी संगठन ने मंगलवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी से नाता तोड़ लिया था।

महा मेट्रो 2ए और 7 : इसकी आवश्यकता क्यों है, और यह क्या प्रदान करता है?

हिरल शाह

चाहे वह दैनिक काम हो, या दोस्तों के साथ वीकेंड हैंगआउट, मुंबईकरों की जरूरत है कि वह बेदाग यात्रा करें। बारिश में भीगने या गर्मी में निर्जलित हुए बिना एक तनाव मुक्त ड्राइव या गंतव्य तक तेजी से पहुंचना।

वर्सोवा - घाटकोपर मेट्रो के लगभग आठ साल बाद 2 अप्रैल 2022 को शहर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा मेट्रो 2 ए और मेट्रो 7 लाइनों के उद्घाटन के साथ बेहतर आंतरिक कनेक्टिविटी की यात्रा को फिर से शुरू किया। हालांकि आंशिक रूप से परिचालन में ये लाइनें कहीं न कहीं यातायात के खतरों को कम करेंगी और आंतरिक रूप से यात्रा करने की योजना बनाने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यात्रा में आसानी को बढ़ावा देंगी। आदर्श रूप से नए लिंक रोड या पश्चिमी राजमार्ग की परिधि के भीतर यात्रा करने के लिए।

कहीं न कहीं पूरी परियोजना के पूरा होने की प्रतीक्षा करने के बजाय इसे 'तैयार हो जाने' के रूप में शुरू करने का एक अच्छा निर्णय है।

कोई भी यात्रा सार्थक है यदि प्रस्थान से आगमन तक की प्रत्येक प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। 2ए और 7 दोनों लाइनें अत्याधुनिक सुविधाओं और यात्रियों के लिए

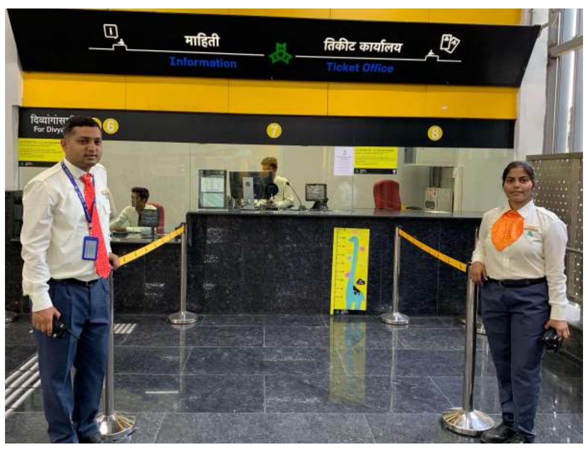

बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस हैं।

भव्य दिखने वाले स्टेशनों से लेकर वातानुकूलित डिब्बों तक यात्रियों को हर जगह एक सुखद अनुभव मिलना तय है। प्रत्येक स्टेशन पर एस्केलेटर और लिफ्ट उपलब्ध हैं जो स्टेशन से आने-जाने के लिए तनाव मुक्त आवाजाही प्रदान करते हैं। मैनुअल टिकटिंग और सेल्फ-टिकटिंग मशीन दोनों के लिए विकल्प उपलब्ध हैं (जल्द ही चालू हो जाएगा)। प्रत्येक स्टेशन में न केवल ग्राहक सेवा डेस्क होती है, बल्कि ऐसे कर्मचारी भी होते हैं जो ग्राहकों को सबसे विनम्र तरीके से मार्गदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं।

स्टेशनों में निर्देश बोर्ड भी होता है जो किराया चार्ट के साथ यात्रा करने के लिए क्या करें और क्या न करें को प्रदर्शित करता है।

हर स्टेशन पर सुरक्षा और सामान की जांच करने वाली मशीनें लगाई गई हैं

हर प्लेटफॉर्म पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (PSD) लगाए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी ट्रैक के करीब कहीं भी न जाए

संकेतकों के साथ-साथ ट्रेन के आने की उचित घोषणाएं होती हैं। साथ ही आने वाले स्टेशन के बारे में ट्रेन में चढ़ने के बाद घोषणाएं भी होती हैं। यहां तक कि प्रत्येक दरवाजे के शीर्ष पर एक स्टेशन का नक्शा भी होता है जो मार्ग के सभी स्टेशनों को प्रदर्शित करता है।

हर चीज से भरा हुआ जो हमें वाह का एहसास कराता है, निश्चित रूप से इसमें और भी बहुत कुछ है, जो समग्र बुनियादी ढांचे की जरूरत को पूरा करता है।

- इन मार्गों पर यात्रा के समय को कम करता है।
- लिंक रोड और पश्चिमी राजमार्ग पर सड़क यातायात को कम करता है
- शहर के दो चरम हिस्सों (पश्चिमी राजमार्ग और लिंक रोड) को जोड़ता है
- वायु प्रदूषण कम करें।
- अन्य यात्रा विकल्पों जैसे सिटी बस (बेस्ट) और कुछ हद तक लोकल ट्रेनों पर भी लोड कम करें।

नए मेट्रो के पूरी तरह से परिचालन मार्गों के आगमन के साथ निश्चित रूप से मुंबईवासियों के पास बेहतर यात्रा विकल्प और सुविधाएं होने जा रही हैं।

कोई भी विवरण जो आप आगे प्राप्त करना चाहते हैं, वह महा मेट्रो की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

https://www.mmmocl.co.in/

आंखों में सूखापन भी कोरोना का लक्षण: नई रिसर्च में दावा- कोरोना की चपेट में आए हर 5 में से 1 इंसान को ड्राय आइज की समस्या

वैसे तो कोरोना के लक्षणों में खांसी, सर्दी, बुखार शामिल हैं, लेकिन अब आंखों में धुंधलापन और ड्राय आइज भी संक्रमण से जुड़ी समस्याएं बनती जा रही हैं।

हाल ही में चाइनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग के वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च में कहा है कि कोरोना से जूझ चुके 20% लोगों की आंखें सूख रही हैं।

कोरोना से अब आंखें भी सुरक्षित नहीं

रिसर्चर्स ने कोरोना से रिकवर हुए 228 मरीजों की जांच 1 से 3 महीने के बीच की। इन मरीजों के हेल्थ रिकॉर्ड्स की तुलना 109 स्वस्थ लोगों से की गई। इसमें पाया गया कि कोरोना की चपेट में आने वाले हर 5 में से 1 इंसान को ड्राय आइज की बीमारी के लक्षण होते हैं। साथ ही उन्हें धुंधलापन, आंखों का गड़ना, लाइट से सेंसिटिविटी और आंखों में सूजन भी हो सकती है।

क्या होती है ड्राय आइज की बीमारी?

ड्राय आइज यानी आंखों में सूखापन। जब आपकी आंखों को पर्याप्त चिकनाई नहीं मिलती, तब आंसु न बन पाना, आंसु जल्दी सूख जाना, आंखों में जलन, सूजन और दर्द होने जैसी समस्याएं होती हैं।

पहले भी हो चुकी ऐसी ही रिसर्च

कोरोना का आंखों से क्या कनेक्शन है, इस पर 2021 में भी एक रिसर्च हो चुकी है। इसमें कहा गया था कि हर 10 में से 1 कोरोना मरीज को आंखों से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें भी सबसे बड़ी समस्या ड्राय आइज ही पाई गई थी।

कोरोना कैसे करता है आंखों पर वार?

ऐसा माना जा रहा है कि आंखों की बीमारी का कारण कोरोना और ACE2 एंजाइम का लिंक हो सकता है। ACE2 एंजाइम की मदद से ही कोरोना इंसान के शरीर में एंट्री लेता है। इसके बाद वायरस हमारी आंखों में मौजूद कोशिकाओं (सेल्स) को संक्रमित कर देता है, जिससे आंखों में परेशानी होती है।

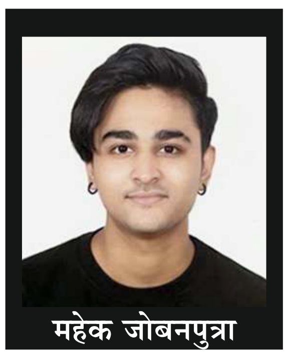
महेक जोबनपुत्रा

ड्राय आइज से कैसे बचें?

रिसर्चर्स ने बताया है कि कोरोना की वजह से होने वाली ड्राय आइज की परेशानी के लक्षण कुछ हफ्तों में ठीक हो जाते हैं। अगर इससे किसी मरीज को ज्यादा ही परेशानी हो रही है, तो डॉक्टर से संपर्क करना अच्छा उपाय होगा। इसके अलावा आप ड्राय आइज से राहत पाने के लिए इन घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं-

तेज हवा, धुआं और सीधे आंखों में हवा लगने से बचें।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।

हवा में नमी बनाए रखने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें।

डॉक्टर से पूछकर आंखों की सिकाई करें।

पानी पीते रहने से बेहतर हाइड्रेशन के साथ इस जानलेवा बीमारी का जोखिम हो जाता है कम, अध्ययन में दावा

रंजनबेन मसोया

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने की सलाह दी जाती है। पानी पीते रहने से शरीर में ऊर्जा का स्तर बेहतर बना रहता है, साथ ही इसे हाइड्रेशन के लिए भी बहुत आवश्यक माना जाता है। जो लोग कम पानी पीते हैं उनमें किडनी स्टोन, कमजोरी, थकान, तंत्रिकाओं की समस्या के साथ कई अन्य गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ अधिक पानी पीने से कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों का जोखिम भी कम हो जाता है? एक हालिया शोध में वैज्ञानिकों ने ऐसा ही दावा किया है।

'यूरोपियन हार्ट जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने से शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ भविष्य में दिल की गंभीर बीमारियों विशेषकर हार्ट फेलियर का जोखिम कम हो जाता है। अमेरिका में 6.2 मिलियन से अधिक लोग हर साल हार्ट फेलियर के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर सिर्फ पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और बेहतर जीवनशैली पर ही ध्यान दे दिया जाए तो हृदय रोग सहित कई गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से बचाव किया जा सकता है। आइए आगे इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पानी पीते रहना हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक

अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि कुछ स्थितियां जानलेवा हृदय रोगों के खतरे को बढ़ा सकती हैं। सोडियम और प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन इसका प्रमुख जोखिम कारक मानी जाती रही हैं। अगर सोडियम के सेवन को कम करने के साथ दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहा जाए तो हृदय रोगों के खतरे से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। कुछ दशकों पहले तक हृदय रोगों को उम्र के साथ होने वाली समस्या माना जाता था, हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसके तेजी से शिकार होते जा रहे हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

प्रीक्लिनिकल शोध में वैज्ञानिकों ने निर्जलीकरण और कार्डियक फाइब्रोसिस के बीच संबंध का पता लगाया है। कार्डियक फाइब्रोसिस की स्थिति में हृदय की मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं। इस अध्ययन के लिए 45-66 आयु वर्ग के 15,000 से अधिक वयस्कों के डेटा का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के आखिरी विश्लेषण में इनमें से 11,814 वयस्कों को शामिल किया गया, जिसमें से 1,366 (11.56 प्रतिशत) में हार्ट फेलियर की समस्या का पता चला। सीरम सोडियम बढ़ना हानिकारकविश्लेषण के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि सीरम सोडियम लेवल का बढ़ना और हाइड्रेशन की कमी लोगों में हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा देती है। आंकड़ों के आधार पर, लेखकों ने निष्कर्ष निकाला है कि मध्यम आयु में सीरम सोडियम का स्तर 142 mEq/L से ऊपर होना आगे चलकर लेफ्ट वेंट्रिकुलर हाइपरट्रॉफी और हार्ट फेलियर के खतरे को बढ़ा देती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने वाले लोगों में सीरम सोडियम का स्तर सामान्य बना रहता है जो उनमें हृदय रोग के खतरे को क कर सकता है। क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

लेबोरेटरी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर रीजेनेरेटिव मेडिसिन के एमडी और अध्ययन के लेखकों में से एक मैनफ्रेड बोहेम कहते हैं, सीरम सोडियम का आसानी से नैदानिक परीक्षाओं में मूल्यांकन किया जा सकता है, इससे आपमें हृदय रोगों के जोखिमों का अंदाजा लगाना आसान हो सकता है। जिस तरह से दुनियाभर में हृदय रोगों के कारण मृत्युदर बढ़ता हुआ देखा जा रहा है, ऐसे में सभी लोगों को इससे बचाव के उपायों को लगातार प्रयोग में लाते रहना चाहिए। पानी पीते रहना इसका सबसे आसान उपाय हो सकता है।

पानी पीते रहने के अनेकों लाभ

शोधकर्ताओं ने बताया कि पानी पीते रहना शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ हृदय को रक्त को कुशलतापूर्वक पंप करने में मदद करने, रक्त वाहिकाओं के कार्य को आसान बनाने और संपूर्ण शारीरिक व्यवस्था को ठीक रखने में मदद कर सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ शुभ समाचार से होगा। इस सप्ताह सोचे हुए सभी कार्य पूरे होने के योग हैं। 7 अप्रैल को राशि स्वामी का कुंभ में गोचर अचानक कोई घटनाक्रम पैदा कर सकता है। आर्थिक स्थिति में आशातीत सफलता मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी। अटके हुए संपत्ति के कार्य पूर्ण होंगे।

वृषभ : सप्ताह आनंदपूर्ण व्यतीत होगा। पारिवारिक समागम, मेलजोल, मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। सप्ताह में पारिवारिक यात्राएं भी अधिक होंगी। आजीविका के साधनों में कमी हो सकती है। नौकरीपेशा से उच्चाधिकारी नाराज हो सकते हैं लेकिन अपने काम के दम पर उनकी प्रसन्नता प्राप्त होगी।

मिथुन : राशि स्वामी बुध 8 अप्रैल तक मीन राशि में रहेगा, उसके बाद मेष में प्रवेश करेगा। 8 अप्रैल के बाद के समय में संभलकर रहने के संकत हैं। कोई नया व्यवसाय 8 से पहले प्रारंभ कर लें। निवेश भी इससे पहले ही कर लें तो श्रेष्ठ होगा। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। स्वजनों के साथ मनोरंजक और धार्मिक यात्रा पर जाने के योग हैं।

कर्क : सप्ताह उत्तम है। कार्यो की बाधाएं समाप्त होंगी और बिना रूकावट कार्य पूर्ण होंगे। सारे कार्य इस सप्ताह पूरे हो जाने के योग हैं। यात्राएं होंगी। पुराने मित्रों, परिचितों, रिश्तेदारों से भेंट होगी। नौकरी में उन्नति, व्यापार में लाभ के संकेत हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनमुताबिक कार्य प्राप्त होगा। स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है।

सिंह : स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह शुभ है। कोई रोग नहीं आएगा और पुराने रोग दूर हो जाएंगे। खर्च में कमी आएगी, बचत होगी। इससे नया निवेश करने की योजना बनेगी। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। मनोरंजक और धार्मिक यात्राएं होंगी। संतों का सान्निध्य प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य की अधिकता रहेगीं।

कन्या : इस सप्ताह राशि स्वामी बुध का राशि परिवर्तन 8 अप्रैल को होने जा रहा है। मंगल की राशि मेष में आने से जातकों में स्वाभाविक क्रोध की भावना विकसित होगी। स्वयं को महत्व न मिलने से परेशानी होगी। मानसिक रूप से मजबूत रहें। किसी की बातों में आकर स्वयं का नुकसान न करें। सप्ताह आर्थिक दृष्टि से उत्तम है।

तुला : सप्ताह वैसे तो उत्तम है, लेकिन बीच-बीच में व्यर्थ की दौड़भाग अधिक होगी। कार्यस्थल पर भी सहकर्मी आपसे ईर्ष्या और द्वेष रखेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। किसी कार्य में अधिक धन की आवश्यकता लग सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पीठ, कमर और गर्दन का दर्द हो सकता है। खानपान का भी ध्यान रखें।

वृश्चिक : सप्ताह धैर्य और संयम से काम करने का है। कार्यस्थल या परिवार में लोग आपका मन विचलित करने का प्रयास करेंगे लेकिन आप अडिग रहें। किसी के कहने में आकर निवेश न करें। संपत्ति खरीदी-बिक्री के कार्य इस सप्ताह टाल दें तो ही बेहतर रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति मिलेगी। नया कार्य व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं।

धनु : इस सप्ताह राशि स्वामी बृहस्पति की पूर्ण कृपा प्राप्त होगी। परिवार और समाज में सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शुभ संकल्प साकार होंगे। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। धन की कमी कार्यो में बाधा नहीं बनेगी। संयम और धैर्य में वृद्धि होगी। उचित समय पर उचित निर्णय ले पाएंगे।

मकर : सप्ताह का प्रारंभ शुभ समाचार से होगा। मनोरंजक यात्राएं होंगी। सप्ताह सुखद है, इसलिए जो योजनाएं पहले से बना रखी हैं, उन्हें पूर्ण करने में जुट जाएं। सकल्प साकार होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। नौकरी में उन्नति होगी, नया कार्य व्यवसाय प्रारंभ करेंगे। मित्रों और स्वजनों का पूरा सहयोग प्राप्त रहेगा।

कुंभ : कार्यो में प्रगति और उन्हें गति देने के लिए सप्ताह उत्तम है। किसी कार्य विशेष को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर प्रयास करें। भूमि, भवन, संपत्ति क्रय करने के योग हैं। घर-परिवार में नया वाहन आएगा। नए प्रतिष्ठानों का शुभारंभ करेंगे। उच्च प्रतिष्ठित लोगों से भेंट होगी। संबंधों का लाभ उन्नति के रूप में प्राप्त होगा।

मीन : सप्ताह सुखद है। समस्त कार्य सरलता से पूर्ण होंगे। अवसरों और संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। परिवार में वातावरण हर्षोल्लास से परिपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी का साथ और सहयोग प्राप्त रहेगा। नए प्रेम संबंध बन सकते हैं। नए कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है। कर्ज मुक्ति होगी। अविवाहितों के विवाह की बात फाइनल हो सकती है।

चुटकुले

लड़की : मैं अपने पापा की परी हूं
लड़का : मैं भी अपने पापा का पारा हूं
लड़की : पारा..? ये क्या है?
लड़का : मुझे देखते ही
उनका पारा चढ़ जाता है

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था
आलू ले लो आलू ले लो...
पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था
आलू ले लो आलू ले लो...

यमराज (औरत से) - चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं।
औरत - बस दो मिनट दे दो।
यमराज - दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी...?
औरत - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, 'Traveling to yamlok'!
यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश...!!!

AVGC प्रमोशन टास्क फोर्स का गठन

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (AVGC) प्रमोशन टास्क फोर्स का गठन किया है। IB के सेक्रेटरी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स को 90 दिनों के अंदर अपना पहला एक्शन प्लान सबमिट करना होगा। टास्क फोर्स में उद्योग, शिक्षा विभाग और राज्य सरकारें भी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल की लोकल ट्रेन में घोड़े ने किया सफर, रेलवे ने दिए जांच के आदेश

पश्चिम बंगाल में लोकल ट्रेन में घोड़े के सफर करने का मामला सामने आया है। इसका एक फोटो भी वायरल हो रहा है। इसमें ट्रेन में एक घोड़ा दिख रहा है और उसके चारों ओर लोग खड़े हैं। इस मामले में रेलवे ने जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि घोड़े ने साउथ 24 परगना के बरुईपुर में आयोजित एक दौड़ में हिस्सा लिया था।

कोलंबिया में सोने की खदान धंसने से 10 मजदूरों की मौत, कई लापता

कोलंबिया के लैंगटुआ में सोने की खदान धंसने से 10 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहां के गवर्नर ने बताया कि मरने वाले अधिकांश लोग सोने की खदान में काम करने वाले मजदूर थे। वह घायलों और मृतकों के परिवार वालों से मिलने जा रहे हैं।

कोलंबिया डिजास्टर अथॉरिटी के मुताबिक, देश में 16 मार्च से लेकर अब तक लैंडस्लाइड का असर 6,000 से ज्यादा लोगों पर पड़ा है।

बीरभूम हत्याकांड मामले में गिरफ्तार 4 आरोपी कोलकाता लाए गए, हत्या के बाद भाग गए थे मुंबई बंगाल में हुए बीरभूम हत्याकांड के मामले में मुंबई से गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों बप्पा, शब्बू, ताज मोहम्मद और सेराजुल को शुक्रवार सुबह सीबीआई कोलकाता वापस ले आई। एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया गया है। अब आरोपियों को रामपुरहाट ले जाया जाएगा, वहां गिरफ्तार अन्य आरोपियों के साथ उनसे पूछताछ की जाएगी। ये आरोपी 21 मार्च को रामपुरहाट के बोगटुई गांव में नरसंहार के बाद मुंबई भाग गए थे।

राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए आधार जरूरी नहीं, गृह मंत्रालय ने जारी की नोटिफिकेशन

राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए अब आधार जरूरी नहीं है। गृह मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन नामांकन के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है। इससे पहले, पुरस्कारों के नामांकन के लिए आधार का होना जरूरी था।

PM आवास योजना में बने 3 करोड़ से ज्यादा घर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा है कि देश के हर गरीब को पक्का मकान देने के संकल्प में हमने एक अहम पड़ाव तय कर लिया है। जन-जन की भागीदारी से ही आवास योजना के तहत 3 करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण संभव हो पाया है। मूलभूत सुविधाओं से युक्त ये घर आज महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी बन चुके हैं।

11 अप्रैल से अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे श्रद्धालु

जम्मू-कश्मीर में हरेक साल होने वाली अमरनाथ यात्रा इस बार 30 जून से शुरू होगी। इसके लिए 11 अप्रैल से श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने ट्वीट कर बताया कि 43 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा का समापन 11 अगस्त 2022 को होगा। श्रद्धालु बोर्ड के आधिकारिक वेबसाइट http://jksasb.nic.in/register.aspx पर जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे।

ताइवान में भूकंप, रिक्टर स्केल पर 5.7 की थी तीव्रता

ताइवान में आज सुबह भूकंप का तगड़ा झटका महसूस किया गया। यूनाइटेड स्टेट जियॉलोजिकल सर्वे ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.7 थी। भूकंप से फिलहाल किसी तरह की नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। भूकंप का केंद्र 10 किमी गहराई तल पर था।

जम्मू-कश्मीर में NIA की एक साथ 11 जगह रेड

जम्मू-कश्मीर के 6 जिलों के 11 जगहों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने छापेमारी की है। यह छापेमारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के द रेसिडेंट फ्रंट के ठिकानों पर की गई है। NIA ने बताया कि आतंकी गतिविधि में शामिल बासित अहमद डार के घर पर भी रेड किया गया है। एजेंसी ने बताया कि रेड में सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस समेत कई डॉक्यूमेंट्स सीज किए गए हैं।

इजराइल के तेल अवीव में फायरिंग, 2 की मौत

इजराइल के तेल अवीव में फायरिंग हुई है। हमले में 2 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 घायल हैं। घटना के बाद इजराइल पुलिस के अधिकारी पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। गोलीबारी की घटना डीजेनगोफ स्ट्रीट पर हुई, जहां कई बार और रेस्तरां हैं। तेल अवीव के डाउनटाउन में स्थित प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के कार्यालय ने कहा कि बेनेट सैन्य मुख्यालय से स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

मुम्बई में आयोजित "मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल" का खिताब बेल्जियम की कायरा वॉटर्स ने हासिल किया

ऋषिकेश मिराजकर द्वारा ऑर्गनाइज़ यूनिक पेजेंट के ग्रैंड फिनाले में शिबानी कश्यप, श्वेता खण्डूरी सहित कई हस्तियां रहीं उपस्थित, 18 देशों की ब्यूटी क्वीन्स ने लिया हिस्सामुम्बई में वाशी के सिडको कन्वेंशन सेंटर में भव्य रूप से अपनी तरह की एक अनोखी सौंदर्य प्रतियोगिता "मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल" का आयोजन किया गया। इस ब्यूटी पेजेंट के ऑर्गनाइज़र ऋषिकेश मिराजकर थे और इस प्रतियोगिता में भारत सहित दुनिया भर के 18 देशों की ब्यूटी क्वीन्स ने हिस्सा लिया।मशहूर सिंगर शिबानी कश्यप, ऐक्ट्रेस श्वेता खंडूरी, डॉ विनय लांबा, अनीस दीन, मोनीसा धीमन ग्रोवर, संध्या दामले सहित कई हस्तियां यहां गेस्ट के रूप में मौजूद रहीं। शिबानी कश्यप ने अपनी लाइव परफॉर्मेंस से यहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। संध्या दामले की डांस परफॉर्मेंस ने भी सभी का मनोरंजन किया। अश्मित कामटे ने लावणी नृत्य पेश किया और भांगड़ा गुरु की टीम ने पंजाबी सांग्स पर डांस करके सबको थिरकने पर मजबूर किया।इस ब्यूटी पेजेंट की विनर रहीं बेल्जियम की कायरा वॉटर्स (Kayra Wouters)। फर्स्ट रनर अप का खिताब फिलीपींस की मिशेल आर्केओ ने जीता। सेकेंड रनरअप का खिताब साउथ सूडान की अमेलिया स्काई ने अपने नाम किया। थर्ड रनरअप का खिताब पेरू की मेरियल ज़ुनिगा ने और फोर्थ रनरअप का खिताब जिम्बाब्वे की जेमिमा ने जीता।इस ब्यूटी पेजेंट के ज्यूरी मेंबर्स में श्वेता खण्डूरी भी शामिल रहीं। प्रोग्राम में कई लोगों को ऋतु दत्ता और

रेखा मिराजकर ने सम्मानित भी किया।शो के आयोजक ऋषिकेश मिराजकर स्टेज पर उस समय इमोशनल हो गए जब उन्होंने कहा कि शशिकांत सर ने इस पेजेंट के आयोजन में काफी सपोर्ट किया हालांकि उनका बेटा अस्पताल में भर्ती है।इस प्रोग्राम की खासियत यह रही कि यहां दूसरे देशों की कंटेस्टेंट्स ने भी थोड़ी हिंदी बोलकर दिखाई। इस पेजेंट के स्पॉन्सर्स में बाइक होटल इंडिया, आवसम टीवी, अमित शर्मा डिजाइन्स, आईबीएसडब्लू, एचएसएम, आशी कॉस्मेटिक्स, के हेयर, बी ऑर्गेनिक, ज़ुबिन रॉयल फ्लीट, फीवर 104, द अरदौर, पेजेंट वर्ल्ड इंडिया, मिसोसोलोजी, ज़ियाद जूलॉय शामिल थे। यहां स्टेज पर जिन आर्टिस्ट्स ने परफॉर्मेंस पेश की उनमें शिबानी कश्यप, संध्या दामले, अश्मिक कामठे, अंकुर बलाल, सिंधु नायर और अंशुल शर्मा का नाम उल्लेखनीय है।यूनाइटेड किंगडम की कंटेस्टेंट मारिया ने कहा कि मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल 2022 के जरिये मुझे अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिला। कुछ हिंदी शब्द सीखने, बोलने का अवसर मिला। टियारा मिस इंडिया के नाम से मिस इंडिया मुकाबले का आयोजन पिछले 5 वर्षों से करते आ रहे ऋषिकेश मिराजकर ने इस अनोखे शो मिस एनवायरनमेंट इंटरनेशनल का सफल आयोजन किया।मेमोरी मेकर्स इवेंट मैनेजमेंट के अंतर्गत यह ब्यूटी कॉन्टेस्ट का सफल आयोजन किया गया।श्रीमती रेखा विजय मिराजकर इस प्रोग्राम की सफलता से काफी खुश नजर आईं।इस पेजेंट की विनर बेल्जियम की कायरा वॉटर्स ने कहा कि इस स्टेज पर पहुंचकर मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं। सभी को दिल से थैंक्यू।ऋषिकेश मिराजकर ने कहा कि यह इवेंट करना हम सब के लिए एक परीक्षा थी, मुझे बेहद खुशी है कि हम इसमें कामयाब हो गए। जब इंडिया की कंटेस्टेंट टॉप 5 में नहीं आई तो मेरी आँखों में आंसू आए, लेकिन मेरा सभी कंटेस्टेंट से यह कहना है कि यह कम्पटीशन है, आपकी जिंदगी का अंत नहीं। पहले हम यह पेजेंट मारिशियस में करने वाले थे, लेकिन आखिरकार यह मुम्बई में हुआ। हमारे लिए सबसे मुश्किल लम्हा था स्पॉन्सर तलाश करना, और भी दिक्कतें हुईं मगर हम सफल रहे। माता जी रेखा सहित पूरी टीम का दिल से शुक्रिया। मेरा भारत महान है, और बतौर इंडियन मुझे यह सिद्ध करना था कि हम भारत मे भी इस तरह का इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट ऑर्गनाइज़ कर सकते हैं।

18+ आयु के लोगों को भी लगेगी एहतियाती खुराक, 10 अप्रैल से निजी केंद्रों पर होगी उपलब्ध

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि 10 अप्रैल से 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए कोरोना वायरस टीके की एहतियाती खुराक निजी टीकाकरण केंद्रों पर उपलब्ध होगी। मंत्रालय ने कहा कि जिन लोगों की आयु 18 साल से अधिक है और जिन्हें टीके की दूसरी खुराक लगे नौ महीने हो चुके हैं, वह निजी टीकाकरण केंद्रों पर एहतियाती खुराक के पात्र होंगे। इसके साथ ही मंत्रालय ने यह भी कहा कि पात्र आबादी के लिए टीके की पहली व दूसरी खुराक और स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रमि मोर्चे को कर्मचारियों व 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए एहतियाती खुराक के लिए सरकारी टीकाकरण केंद्रों के जरिए चल रहा मुफ्त टीकाकरण अभियान इसी तरह जारी रहेगा और इसकी रफ्तार को भी और तेज किया जाएगा। कोविन पोर्टल पर भी नया अपडेटइससे पहले बताया गया था कि कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोग अपने कोविड-19 वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट में हुई गलतियों को कोविन पोर्टल पर अब ठीक कर सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव विकास शील ने बताया था कि नए अपडेट में कोविन पोर्टल में एक ऐसी सुविधा दी जाएगी जिसके द्वारा टीकाकरण प्रमाणपत्रों पर नाम, जन्म वर्ष और लिंग में अनजाने में हुई त्रुटियों को सुधारा जा सकेगा। टीकाकरण अभियान 16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था देश भर में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी, 2021 को शुरू किया गया था, जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों को पहले चरण में टीका लगाया गया था। फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण पिछले साल 2 फरवरी से शुरू हुआ था। कोविड-19 टीकाकरण का अगला चरण पिछले साल 1 मार्च को 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों और 45 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए किसी रोग से पीडितों को टीके के साथ शुरू हुआ था। भारत ने पिछले साल 1 अप्रैल से 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए टीकाकरण शुरू किया। इसके बाद सरकार ने पिछले साल 1 मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को वायरल बीमारी के खिलाफ टीकाकरण की अनुमति देकर अपने टीकाकरण अभियान का विस्तार करने का फैसला किया। टीकाकरण का अगला चरण इस साल 3 जनवरी से 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के किशोरों के लिए शुरू हुआ है।

टीवी शो " भाभीजी घर पर हैं " फेम अभिनेत्री जागृति सिंह परिहार कर रही हैं 2 साउथ फिल्मे और अल्बम्स

मध्यप्रदेश के छोटे इलाके दमोह से मुम्बई फ़िल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने की जागृति की कहानी है काफी प्रेरणादायक, अभिनेत्री जागृति सिंह परिहार को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। टीवी शो भाभीजी घर पर हैं में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए वह काफी लोकप्रिय हैं। अभिनेत्री जागृति सिंह परिहार सिर्फ एक शो में कई किरदारों को निभाने का पूरा श्रेय निर्माताओं को देती है। गौरतलब है कि जागृति ने इस शो में करीब 12 किरदार निभाए हैं।वह कहती हैं "मैं वाकई भाभीजी घर पर है का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। मुझे एक ही शो में कई भूमिकाएं निभाने का सौभाग्य मिला है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा किसी एक्टर ने भी किया है। एक एयर होस्टेस की भूमिका निभाने से लेकर एक पड़ोसी से लेकर, एक ठग से लेकर नौकरानी तक, मैंने कई तरह की भूमिकाएँ की हैं, जो सभी एक-दूसरे से अलग हैं।"जागृति का मानना है कि "किसी भी शो का कैरेक्टर स्केच सबसे ज्यादा मायने रखता है। यदि किरदार आकर्षक है और अच्छी तरह से लिखा और ढाला गया है, तो दर्शको को याद रह जाता है।"जागृति सिंह परिहार मध्यप्रदेश के दमोह जिला की रहने वाली हैं। स्कूल की पढ़ाई दमोह से ही की और आगे की पढ़ाई के के लिए भोपाल गईं। मास्टर इन स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी की डिग्री हासिल की। मिस भोपाल के पेजेंट में वह रनरअप रहीं। कई ब्यूटी पेजेंट्स में विनर भी

रहीं। मुम्बई के नानावती अस्पताल में फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में काम शुरू किया। साथ ही वह एक्टिंग के लिए ऑडिशन भी देती रहीं। 4-5 महीने नानावती अस्पताल में काम करने के बाद उन्हें विख्यात सीरियल भाभी जी घर पर हैं में काम मिल गया।छेदी सिंह की पत्नी गुलबिया के रोल में उनकी इस शो में एंट्री हुई थी बाद में मास्टरजी की पत्नी सहित कई रोल किए। चिड़ियाघर, हप्पू की उल्टन पलटन, जीजा जी छत पर हैं सहित और भी कई सीरियल्स में जागृति ने काम किया है। पिछले डेढ़ दो साल से उन्हें म्यूज़िक वीडियो के भी ऑफर आ रहे हैं। उनके दो गाने "हार ले" और "देसी" रिलीज होकर लोकप्रिय हो चुके हैं। इनके अलावा 4-5 सांग्स आने वाले हैं उनमें से एक "हंजू" गीत इसी माह आने वाला है।सीरियल, म्यूज़िक वीडियो के अलावा 2 तेलगु फिल्मों में भी वह नजर आने वाली हैं। एक फ़िल्म की शूटिंग कम्प्लीट हो गई है जबकि एक फिल्म की शूटिंग चल रही है।बचपन से ऐश्वर्या राय की बहुत बड़ी फैन रही जागृति सिंह परिहार ऐश्वर्या के गानों पर डांस करती थीं। स्कूल में जब वह डांस पेश करती थीं तो उनकी सहेलियां बहुत इम्प्रेस होती थीं और उन्हें बॉलीवुड इंडस्ट्री में जाने के लिए कहती थीं। कॉलेज में भी जागृति को लोग हीरोइन बनने की बात कहते थे। उन्हें ऐक्ट्रेस बनने के लिए मोटिवेट करते थे लेकिन जागृति पढ़ाई लिखाई को प्राथमिकता देने में विश्वास रखती हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा कि पढ़ाई बीच मे अधूरी छोड़कर अपना शौक पूरा करने के लिए फ़िल्म इंडस्ट्री में संघर्ष करें।मिस वर्ल्ड ग्लोरी में थर्ड रनरअप रहीं जागृति सिंह परिहार कहती हैं कि अगर आपके अंदर कोई कला है तो वह छुपती नहीं है। मुम्बई शहर तो वैसे भी आर्ट प्रेमी रहा है।चूंकि वह छोटे से शहर से बिलॉन्ग करती हैं इसलिए उन्होंने कभी भी पढ़ाई के दौरान घरवालों को ऐक्ट्रेस बनने के अपने शौक के बारे में नहीं बताया। जब भाभी जी घर पे हैं में उनका सेलेक्शन हो गया, शूट हो गया और पहला एपिसोड टेलीकास्ट हो गया तब उन्होंने घरवालों को अभिनय के बारे में बताया। चूंकि यह सीरियल उनके घरवाले, तमाम रिश्तेदार देखते थे, आज भी देखते हैं तो उन्होंने जब पहली बार उन्हें टीवी पर देखा तो वे सब हद से अधिक खुश हो गए उन्होंने जागृति से पूछा कि अरे तुम वहां कैसे पहुंच गई?वह मानती हैं कि एजुकेशन इंसान को जिंदगी में कुछ भी सिस्टम से करना सिखा देती है। शिक्षा आपको इंटेलिजेंट बनाती है, ग्रूम करती है। एमपी के दमोह जैसे छोटे शहर की वो लडकिया जो एक्टिंग में रुचि रखती हैं और मुम्बई जाकर अपना ख्वाब पूरा करना चाहती हैं उनके लिए जागृति कहती हैं कि मैं इनसे कहूँगी कि आप अपनी शिक्षा सबसे पहले पूरी करें। एजुकेशन आपको अपने पैरों पे खड़े रहना सिखाती है। जो लड़कियां पढ़ाई छोड़कर मुम्बई आ जाती हैं उनके लिए करो या मरो की स्थिति होती है। कई लड़कियां बाद में अफसोस करती हैं कि उन्होंने पढाई पूरी नहीं की।जागृति कहती हैं कि साउथ फ़िल्म इंडस्ट्री में काम करने का अनुभव कमाल का रहा। वहां बड़ा पंक्चुअल काम होता है और कलाकारों को बड़ा सम्मान मिलता है।छायाकार : रमाकांत मुंडे मुंबई

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कीर्ति आडारकर ने अपना प्रोडक्शन हाउस एपिफेनी एंटरटेनमेंट लॉन्च किया

इस प्रोडक्शन हाउस से तनाया आडारकर प्रभु और तेज आडारकर भी जुड़े हुए हैं, कई हस्तियां भी रहीं उपस्थित, तीन दशकों से अधिक समय से, कीर्ति आडारकर ने विभिन्न माध्यमों में अपने बहुमुखी अभिनय कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। उन्होंने अब अपने प्रोडक्शन हाउस "एपिफेनी एंटरटेनमेंट" के लॉन्च के साथ अपने करियर में एक नया कदम उठाया है। कीर्ति आडारकर के इस प्रोडक्शन हाउस से तनाया आडारकर प्रभु और तेज आडारकर भी जुड़े हुए हैं।चीफ गेस्ट प्रवीण छेड़ा, सचिव, भाजपा मुंबई ने मुम्बई के अंधेरी स्थित इस प्रोडक्शन हाउस का रिबन काटकर उद्घाटन किया। कंपनी के लोगो लांच के अवसर पर कई हस्तियों ने हिस्सा लिया जिनमें रुद्र सोनिक, अशोक बेनीवाल, अर्जुन

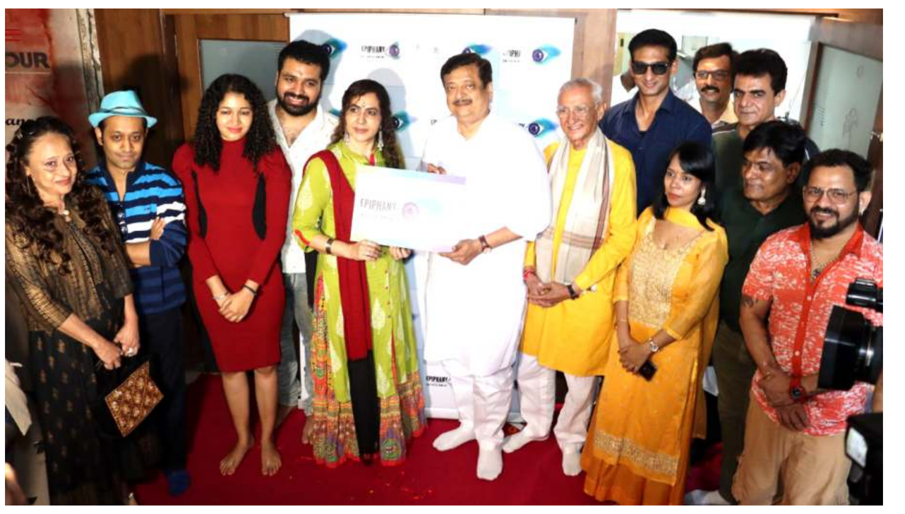

द्विवेदी, आकाश दाभाड़े इत्यादि का नाम उल्लेखनीय है। जिन गणमान्य व्यक्तियों ने इस प्रोग्राम में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई उनके नाम है प्रवीण छेड़ा, सचिव, भाजपा मुंबई, शंकर भानुशाली, अध्यक्ष, इंडस्ट्रीज प्रकोष्ठ, भाजपा मुंबई, अल्पेश शाह, सचिव, व्यापार प्रकोष्ठ, भाजपा मुंबई।आपको बता दें कि कीर्ति आडारकर एक बेहतरीन अदाकारा होने के साथ साथ एक्टिव सोशल वर्कर भी हैं। साथ ही वह भाजपा मुम्बई के फ़िल्म / टीवी प्रकोष्ठ की प्रभारी भी हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हाजिर हुए प्रवीण छेड़ा, सचिव, भाजपा मुंबई ने कीर्ति आडारकर को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और कहा कि चूंकि वह समाज सेविका भी हैं और भाजपा से भी जुड़ी हुई हैं इसलिए उनका प्रोडक्शन हाउस अच्छी कहानियां पेश करेगा।कीर्ति आडारकर ने कम्पनी के नाम के बारे में मीडिया से बात करते हुए कहा कि "एपिफेनी शब्द का अर्थ है कुछ महान और अचानक प्राप्ति का क्षण। जब मैंने इस प्रोडक्शन हाउस को शुरू करने का फैसला किया तो मुझे यही नाम यही लगा क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरे करियर का अगला बेहतर कदम है। इस प्रॉडक्शन हाउस के प्रोजेक्ट्स में हमारा ध्यान अच्छी कहानियों पर काफी गहरा होगा। ऐसा सिनेमा, वेब सीरीज, टीवी सीरियल जो कुछ सोचने पर भी मजबूर करें।"इस प्रयास में कीर्ति आडारकर की बिज़नस पार्टनर तनाया आडारकर प्रभु एक जर्नलिस्ट रही हैं, जिनके पास एक दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने बताया कि "एक पत्रकार के रूप में काम करने के बाद मैंने कुछ ऐसी कहानियाँ देखी हैं, जिन्हें मुझे फ़िल्म, सीरियल या वेब सीरीज में पेश करने की आवश्यकता महसूस होती है। फिलहाल हमारी कंपनी तीन प्रोजेक्ट्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जिनमें से एक का काम अगले महीने शुरू होगा।"इस प्रोडक्शन हाउस का लोगो बहुत गहरा अर्थ रखता है। इसकी परिकल्पना इसके एक अन्य साथी तेज आडारकर ने की थी, वह कहते हैं "लोगो मोर के पंख, एक आंख और नीले और हरे रंग से बना है। कई संस्कृतियों में आंख एक आम बात है। भारत में इसे शिव की तीसरी आंख के रूप में देखा जाता है। जिसका अर्थ है एपिफेनी का क्षण। "इस लांच इवेंट के पीआर की जिम्मेदारी रमाकांत मुंडे (मुंडे न्यूज़) के द्वारा सफलतापूर्वक निभाई गई। छायाकार : रमाकांत मुंडे मुंबई

रोहित ने खिलाड़ियों को किया मोटिवेट:MI की 3 हार के बाद रोहित बोले- सिर झुकाने की जरूरत नहीं, अपने अंदर जीत की भूख पैदा करें

इंडियन प्रीमियर लीग में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस की शुरुआत 15वें सीजन में खराब रही है। मुंबई इंडियंस को लगातार 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। अब मुंबई को अगला मैच 9 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ खेलना है। उससे पहले रोहित शर्मा ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को मोटिवेट करने के लिए स्पीच दिया, जिसका वीडियो मुंबई इंडियंस ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से शेयर किया है।

हार के लिए कोई एक दोषी नहीं

रोहित ने कहा कि हार के लिए किसी एक को ब्लेम नहीं किया जा सकता है। हम सभी एक हैं। टीम के रूप में एक साथ जीतते हैं और एक साथ हारते हैं। हमें हतोत्साहित होने की जरूरत नहीं है।

तीन हार से सिर नीचे करने की जरूरत नहीं

उन्होंने आगे कहा कि अभी IPL की शुरुआती दौर है। ऐसे में लगातार मिली 3 हार से हमें अपना सिर नीचे करने की जरूरत नहीं है। हमें अपने अंदर के उत्साह को बनाए रखना है और छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देना और उन्हें समझकर प्रत्येक खिलाड़ी को उसके अनुरूप खेलना है। हमारे पास टैलंट और क्षमता की कमी नहीं उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास टैलंट और क्षमता की कमी नहीं है। हमें केवल अपनी छोटी-छोटी कमियों को सुधारने की जरूरत है। मैच के दौरान प्रत्येक खिलाड़ी को परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीति बनाने और उसके अनुसार ढालने की जरूरत है।

जीत की भूख पैदा करें

रोहित ने कहा कि हर खिलाड़ी को अपने अंदर जीत की भूख पैदा करने की जरूरत है। हमें होत्साहित होने की जगह अपने को जीत के लिए पूरी तरह झोंकने की जरूरत है।

PBKS Vs GT फैंटेसी-11 गाइड:हार्ड हिटर पंड्या बदल सकते हैं मुकाबले का रुख, रबाडा बैटिंग और बॉलिंग से दिला सकते हैं पॉइंट्स

IPL के 15वें सीजन का 16वां मुकाबला आज पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होगा। यह मैच मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। जहां एक तरफ PBKS ने 3 में से 2 मुकाबले जीते हैं, तो वहीं GT अपने दोनों मुकाबले जीत चुकी है। इस बड़े मुकाबले की शुरुआत से पहले आइए जानते हैं कि किन खिलाड़ियों को अधिक से अधिक पॉइंट्स जीतने के लिए फैंटेसी इलेवन की टीम में शामिल किया जा सकता है। विकेटकीपर सीजन के पहले मैच में 152 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए पंजाब किंग्स के विकेटकीपर जितेश ने 3 बेहद खूबसूरत छक्के जड़े थे। उनका आक्रामक अंदाज आज के मैच में पॉइंट्स दिलाने में काफी मददगार साबित हो सकता है। टी-20 करियर के 55 मुकाबलों में जितेश का स्ट्राइक रेट 142 का रहा है। पंजाब ने उनकी बिग- हिटिंग की काबिलियत को मद्देनजर रखते हुए जितेश को टीम में मौका दिया है। बैटर शिखर धवन, शुभमन गिल और भानुका राजपक्षे को फैंटेसी-11 का हिस्सा बनाना फायदेमंद हो सकता है। 195 IPL मुकाबले खेलकर 127 की औसत से 5,876 रन बना चुके गब्बर आज के मैच में गरज सकते हैं। शुरुआती मुकाबलों में दिखा है कि गेंद तरीके से उनके बल्ले पर आ रही है। ऐसे में आज वह बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे। 46 गेंदों में 84 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर लखनऊ को जीत दिलाने वाले शुभमन गिल आज फिर एक बार

बल्ले से कहर बरपा कर पंजाब के फैंस का दिल तोड़ने को आतुर होंगे। गिल के पास वो तमाम शॉट्स मौजूद हैं, जो उन्हें आने वाले समय के टॉप प्लेयर्स में स्थान दिला सकते हैं। टीम इंडिया में वापसी के लिहाज से भी IPL शुभमन के लिए विशेष महत्व रखता है। भानुका राजपक्षे ने 195 की स्ट्राइक रेट से RCB के खिलाफ 43 रनों की पारी के साथ सीजन की शुरुआत की थी। फिर KKR के विरुद्ध खेली गई 9 बॉल्स पर 31 रनों की तूफानी पारी का हैंगओवर अब भी फैंस के दिलो-दिमाग से नहीं उतरा है। तीसरे मुकाबले में वह रन-आउट हो गए थे। ऑलराउंडर आज के मुकाबले में हार्दिक पंड्या , राहुल तेवतिया और लियाम लिविंगस्टोन को फैंटेसी टीम का हिस्सा बनाना अच्छा फैसला साबित हो सकता है। हार्दिक पंड्या को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी और पावर प्ले में गेंदबाजी करते हुए देखने से बेहतर नजारा शायद ही उनके फैंस के लिए कोई और होगा। 140 से अधिक की स्पीड से बॉलिंग करते हुए बल्लेबाजों को धमका कर बैकफुट पर खेलने के लिए मजबूर कर रहे हार्दिक बड़ा शॉट लगने के बाद बल्लेबाजों के सिर पर बाउंसर मार रहे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि हार्दिक बहुत हार्ड खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ भी हार्दिक अपनी परफॉर्मेंस से मुकाबले का रुख बदल सकते हैं।सीजन के पहले ही मैच में 24 गेंदों पर 40 रनों की नाबाद पारी खेलकर लखनऊ के खिलाफ गुजरात को जीत दिलाने वाले तेवतिया का फॉर्म तगड़ा लग रहा है। अपनी बैकलिफ्ट पर काम करने के बाद से वह अलग तरह के बल्लेबाज नजर आ रहे हैं। आज अगर उनका बल्ला चला तो उनकी पुरानी टीम पंजाब भारी संकट में आ सकती है। राशिद खान, मोहम्मद शमी, कगिसो रबाडा और राहुल चाहर फैंटेसी-11 के प्रमुख गेंदबाज हो सकते हैं। फिलहाल दुनिया के बेस्ट टी-20 स्पिनर माने जाने वाले राशिद का फैंटेसी टीम में होना हमेशा से पॉइंट्स की गारंटी देता है। 78 I P L मुकाबलों में 6.35 की इकॉनमी से 95 विकेट चटका चुके स्पिन के जादूगर राशिद बॉलिंग के अलावा बैटिंग में भी भौकाल मचाने का दम-खम रखते हैं।

लखनऊ ने लगाई जीत की हैट्रिक:आयुष बदोनी ने आखिरी ओवर में छक्का लगाकर जिताया, दिल्ली की लगातार दूसरी हार

IPL 2022 में गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) ने दिल्ली कैपिटल्स (DC) को 6 विकेट से हरा दिया है। लखनऊ के सामने 150 रन का टारगेट था, जिसे टीम ने 19.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। क्विंटन डीकॉक (80) टॉप स्कोरर रहे। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए।
इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को पृथ्वी शॉ (34 गेंद पर 61 रन) ने तूफानी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन इसके बाद पारी का मोमेंटम खत्म हो गया। टीम ने 3 विकेट पर 149 रन बनाए थे। कप्तान ऋषभ पंत 39 पर नाबाद रहे। LSG की ओर से रवि बिश्नोई ने दो विकेट लिए।आखिरी ओवर का रोमांचमैच के आखिरी ओवर में लखनऊ को 5 रन की दरकार थी। दीपक हुड्डा और क्रुणाल पंड्या क्रीज पर मौजूद थे और बॉलिंग का जिम्मा लॉर्ड शार्दूल के पास था। 19.1: पहली ही गेंद पर दीपक हुड्डा 13 गेंदों में 11 रन बनाकर आउट हो गए। उनका कैच डीप कवर में अक्षर पटेल ने पकड़ा। 19.2: अब आयुष बदोनी बैटिंग के लिए और दूसरी गेंद पर कोई रन नहीं बना। अब लखनऊ को 4 गेंदों पर 5 रन चाहिए थे। 19.3: तीसरी गेंद पर आयुष ने कवर ड्राइव लगाकर स्कोर को बराबरी पर ला खड़ा किया। 19.4: चौथी गेंद पर आयुष ने कवर के ऊपर से शानदार छक्का लगाकर टीम को मैच जीता दिया। अपना 250वां टी-20 मैच खेल रहे क्विंटन डीकॉक ने बेहतरीन पारी खेलते हुए 52 गेंदों पर 80 रन बनाए। उनका विकेट कुलदीप यादव का खाते में आया और थर्डमैन पर सरफराज खान ने शानदार कैच लपका। IPL में ये डीकॉक 18वां और दिल्ली के खिलाफ दूसरा अर्धशतक रहा। नोर्त्या को गेंदबाजी से हटाया गया इस सीजन अपना पहला मैच खेल रहे एनरिक नोर्त्या ने मैच में दो बीमर डाली, जिसके बाद अंपायर ने उन्हें बॉलिंग से हटा दिया। क्रिकेट के नियमों के अनुसार अगर एक मैच में कोई खिलाड़ी दो बीमर डालता है, तो उसे गेंदबाजी से हटा दिया जाता है। एनरिक ने मैच 2.2 ओवर में 36 रन दिए। टारगेट का पीछा करते हुए कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डीकॉक ने लखनऊ को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को कुलदीप यादव ने राहुल को आउट कर तोड़ा। वह 25 गेंदों में 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राहुल का कैच लॉन्ग ऑफ पर पृथ्वी शॉ ने पकड़ा। लखनऊ की पारी के 5वें ओवर में क्विंटन डीकॉक ने एनरिक नोर्त्या के ओवर में लगातार 3 चौके के अलावा 19 रन बनाए।

पाकिस्तान की सियासत:एक्सपर्ट बोले- इमरान ने सियासी खुदकुशी कर ली; जानिए आगे क्या होगा और विपक्ष की डगर भी क्यों है मुश्किल

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान, संसद के डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी और राष्ट्रपति आरिफ अल्वी की मिलीजुली साजिश नाकाम कर दी। अब 9 अप्रैल को इमरान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर भी वोटिंग होगी और संसद भी बहाल होगी। 9 अप्रैल के बाद ही तय होगा कि सरकार किसकी बनेगी या केयर टेकर गवर्नमेंट बनाकर नए चुनाव ही होंगे। बहरहाल, ये बिल्कुल तय है कि इमरान प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। वो जिस सियासी फजीहत से बचने की कोशिश कर रहे थे, उसमें भी नाकाम रहे। दरअसल, इमरान चाहते थे कि संसद में उन्हें वोटिंग के दौरान हार का मुंह न देखना पड़े। इसलिए उन्होंने डिप्टी स्पीकर के जरिए अविश्वास प्रस्ताव ही खारिज करा दिया। बाद में राष्ट्रपति को सिफारिश भेजकर संसद भंग करा दी। इसके पहले ही वो पूरे देश में रैलियां करने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ? डिप्टी स्पीकर ने 3 अप्रैल को आर्टिकल 5 का हवाला देते हुए महज 7 मिनट की कार्यवाही के बाद अविश्वास प्रस्ताव खारिज कर दिया था। मुल्क में गुस्से को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सुओ मोटो (स्वत: संज्ञान) लिया। तमाम पक्षों को बुलाया। 3 अप्रैल को शुरू हुई सुनवाई 7 अप्रैल तक चली। फैसले का अंदाजा अटॉर्नी जनरल की दलील से लगा। उन्होंने पांच जजों की बेंच से कहा- मैं अविश्वास प्रस्ताव खारिज किए जाने और संसद भंग के लिए जाने का बचाव नहीं कर सकता। आगे क्या होगा?
संसद बहाल हो गई है। 9 अप्रैल, यानी शनिवार को सुबह 10 बजे अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होगी। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक, किसी भी सूरत में रात 10 बजे तक वोटिंग का फैसला आ जाना चाहिए। इमरान की हार बस औपचारिकता है। बहुमत के लिए 172 वोट चाहिए। विपक्षी गठबंधन (पाकिस्तान डेमोक्रेटिक फ्रंट या PDM) के पास 200 से ज्यादा वोट हैं। इमरान के कई मंत्री और सांसद विपक्ष के साथ जा चुके हैं। सरकार गिरने के बाद दो विकल्प हैं। पहला- विपक्ष नई सरकार बनाने का दावा करे। दूसरा- केयर टेकर सरकार बनाई जाए और वो नए चुनाव होने तक मुल्क के रोजमर्रा से जुड़े प्रशासनिक काम करे। किसके लिए क्या मायने? इमरान खान : पाकिस्तान के पत्रकार हामिद मीर के मुताबिक- कप्तान के लिए ये सियासी खुदकुशी से ज्यादा कुछ नहीं। अब उनका मुल्क में रहना भी मुश्किल हो जाएगा। एक और पत्रकार सलीम साफी कहते हैं- खान और उनके इम्पोर्टेड मिनिस्टर्स बहुत जल्द देश छोड़ देंगे। कुछ पहले ही जा चुके हैं। फौज की लेबोरेट्री से निकला इमरान का फॉर्मूला फेल हो गया है। फौज की जबरदस्त बदनामी हुई है। विपक्ष : इनकी हालत भी बहुत अच्छी नहीं। सब अपना-अपना हिस्सा चाहेंगे। आसिफ अली जरदारी चाहेंगे कि बेटा बिलावल PM बने। नवाज शरीफ की कोशिश भाई शहबाज को PM बनाने की होगी। मौलाना फजल-उर-रहमान खैबर पख्तूनख्वा में अपनी सरकार का दावा ठोकेंगे। नवाज शरीफ की पार्टी (PMLN-N) का पलड़ा पंजाब में भारी है। पंजाब में जिसकी सरकार होती है, वही केंद्र में भी राज करता आया है। जरदारी चाहेंगे कि किसी भी सूरत में नवाज की पार्टी सिंध प्रांत में पैर न पसारे। फौज : फौज और ISI की इमरान की वजह से बहुत बदनामी हुई है। इमरान उनके लिए गले की हड्डी बन गए और ये मानकर चलिए कि सुप्रीम कोर्ट का सरकार के खिलाफ फैसला फौज की मंजूरी के बाद ही आया है।

ड्रैगन की जीरो कोविड पॉलिसी हुई फेल:खुद की बनाई साइनोवैक वैक्सीन का भी असर नहीं; शंघाई में 2.26 करोड़ लोगों को हर्बल दवा बांटी जा रही

चीन में कोरोना से बचने को लेकर जीरो कोविड पॉलिसी फेल साबित हुई है। चीनी में तैयार की गई साइनोवैक वैक्सीन भी कोरोना से मुकाबले में फिसड्डी साबित हो रहा है।
2.60 करोड़ की आबादी वाली चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई में अब तक के सबसे बड़े कोरोना विस्फोट के चलते पिछले दो हफ्ते से लॉकडाउन लगा हुआ है।
अहम बात यह है कि शंघाई के 87% लोगों को साइनोवैक की डोज लगी थी, लेकिन ओमिक्रॉन और XE वैरिएंट की वजह से इस वैक्सीन की पोल खुल गई है। अब चीनी सरकार शंघाई की 2.26 करोड़

आबादी को देसी हर्बल दवा बांट रही है। चीनी अधिकारियों का मानना है कि इस हर्बल दवा के इस्तेमाल से लोगों को कोरोना के नए वैरिएंट और फ्लू के खिलाफ बेहतर इम्युनिटी मिल सकती है। कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार

पॉलिसी का बचाव किया

वहीं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख अखबार पीपुल्स डेली ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पॉलिसी का बचाव किया है। अखबार के मुताबिक, ये पॉलिसी जान बचाने और अर्थव्यवस्था को चालू रखने के लिए जरूरी है। हालांकि, शंघाई में 21,000 से अधिक नए मामले दर्ज किए गए हैं। ये मामले पॉलिसी के बचाव को लेकर किए जा रहे दावे के उलट साबित हो रहे हैं।
पीपुल्स डेली ने अपने फ्रंट पेज के एक कालम में लिखा है कि तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन वैरिएंट ने महामारी को रोकना और मुश्किल बना दिया है।
अखबार ने लिखा- हमें बिना किसी हिचकिचाहट के जीरो कोविड पॉलिसी का पालन करना चाहिए। ये कमेंट इसलिए भी मायने रखता है क्योंकि चीन महामारी की शुरुआत के बाद से सबसे खराब कोरोना संकट का सामना कर रहा है।

शंघाई में खाने और दवाईयों की किल्लत

शंघाई में गुरुवार को 21,22 कोरोना केस मिले हैं, जबकि रविवार को 9 हजार मामले दर्ज किए गए थे। जीरो कोविड पॉलिसी को लेकर यहां कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इस वजह से यहां खाने और दवाओं की कमी हो गई है। जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ देश भर में असंतोष बढ़ता जा रहा है।
पिछले महीने ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पॉलिसी पर जोर दिया था, लेकिन उन्होंने कहा कि इसे ठीक ढंग से लागू करने की जरूरत है, ताकि प्रतिबंधों से व्यापार और अर्थव्यवस्था को नुकसान न पहुंचे।

पाकिस्तान में बनेगी कमजोर नींव वाली सरकार:इमरान का काम तमाम करने एक हुए राजनीति के जानी दुश्मन; खान के बाद शहबाज होंगे नए 'कप्तान'

पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग कराने का आदेश दिया है। 342 सांसदों वाली नेशनल असेंबली में बहुमत का जादुई आंकड़ा 172 है। प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी इससे काफी दूर है। उनके पास 142 सांसदों का समर्थन है, जबकि एकजुट हुए विपक्ष के पास 199 सांसद हैं। ऐसे में इमरान का जाना और विपक्षी मोर्चे का सत्ता में आना तय है। लेकिन, नई सरकार कमजोर नींव वाली होगी। विपक्षी मोर्चे में जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) नई सरकार के प्रमुख घटक होंगे। नवाज की पीएमएल-एन के नेशनल असेंबली में 84 जबकि पीपीपी के 47 सांसद हैं। लिहाजा पीपीपी पहले ही नवाज की पार्टी को प्रधानमंत्री का पद देने को तैयार है। नवाज शरीफ के भाई शहबाज का अगला पीएम बनना तय है। पाकिस्तान के पंजाब सूबे में मजबूत आधार वाली पीएमएल-एन और सिंध की ताकतवर पार्टी पीपीपी कभी धुर विरोधी रही हैं। अब सत्ता के लिए इन्होंने हाथ मिला लिया है। पीपीपी नेता बिलावल पीएमएल-एन नेताओं पर हमलावर रहे हैं। फरवरी 2020 में उन्होंने कहा था- इमरान की तरह ही पीएमएल-एन

नेता नवाज शरीफ भी कठपुतली पीएम थे। पीटीआई की तरह पीएमएल-एन भी संसद को महत्व नहीं देती है। वहीं, उनके पिता आसिफ अली जरदारी अक्टूबर 2017 में कह चुके हैं कि जब मैं भ्रष्टाचार मामले में जेल में था, तो शरीफ बंधुओं (नवाज व शहबाज) ने मेरी हत्या की दो बार योजना बनाई थी। शरीफ ने जरदारी के खिलाफ जांच खोली पीएमएल नेता शहबाज शरीफ कई बार पीपीपी नेताओं पर निधाना साध चुके हैं। 2012 में उन्होंने कहा था- राष्ट्रपति जरदारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के केस की जांच दोबारा शुरू करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को न मानकर पीएम गिलानी न्यायपालिका का अपमान किया। उनके गृहमंत्री ने भ्रष्टाचार मामलों में पीपीपी नेताओं के खिलाफ जांच में तेजी का आदेश दिया था। इससे पीपीपी नेताओं पर एफआईए और एनएबी ने शिकंजा कसा। पाकिस्तान की जेयूआई के मौलाना फजल उर रहमान ने दरअसल, पीपीपी और पीएमएल-एन को एक करने में अहम भूमिका निभाई। फजल उर रहमान इमरान खान सरकार के धुर विरोधी रहे हैं।

नवीन-अनुष्का स्टारर
फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी

हैदराबाद। अनुष्का शेट्टी और नवीन पॉलीशेट्टी के साथ काम करने की खबरों को सामने आए काफी समय हो गया है। अब जब निर्माताओं ने स्पष्ट रूप से फिल्म को रोल करने का फैसला किया है, तो एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। खबर है कि फिल्म की नियमित शूटिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी, जबकि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। नवीन पॉलीशेट्टी, अनुष्का के साथ फिल्म में एक मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म को यूवी क्रिएशंस द्वारा बड़े पैमाने पर निर्मित किया गया है। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही सामने आएगी, क्योंकि निर्माताओं ने कुछ दिनों में शूटिंग के संबंध में आधिकारिक घोषणा करने की योजना बनाई है। वहीं अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने भी काफी समय बाद कोई फिल्म साइन की है। यह फिल्म उनकी बड़े पर्दे पर वापसी मानी जा रही है।

अल्लू अर्जुन ने रियल लाइफ में तोड़े ट्रैफिक रूल्स

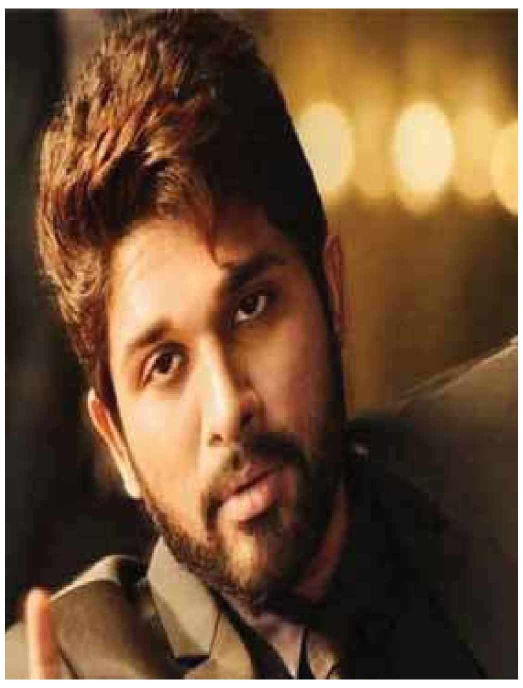

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को आपने उनकी फिल्म 'पुष्पा: द राइज' में कई कानून तोड़ते देखा ही होगा। अब हाल ही में अल्लू अर्जुन यानी 'पुष्पाराज' ने रियल लाइफ में भी एक कानून तोड़ा, जिसकी वजह से वे अब लीगल ट्रबल में पड़ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन ने हाल ही में ट्रैफिक रूल्स का उल्लंघन किया। जिसके बाद अल्लु अर्जुन को हैदराबाद पुलिस ने पकड़ लिया और आखिर में उनसे जुर्माना भी वसूला गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन को ट्रैफिक रूल्स तोड़ने के लिए फाइन भरना पड़ा। हैदराबाद पुलिस ने उनकी लैंड रोवर रेंज रोवर लग्जरी कार का चालान काटा और एक्टर को 700 रुपए जुर्माने के तौर पर देने पड़े। सूत्रों के अनुसार, काले शीशे वाली कार में सवार अल्लू अर्जुन को पुलिस ने हैदराबाद के बिजी सेंटर के पास रोका था। क्योंकि ऐसे शीशे वाली खिड़कियां भारत में बैन हैं। इसके बावजूद कई सारे सेलेब्स इस तरह की कार का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, पुलिस सेलेब्स के साथ भी कोई ढिलाई नहीं करती है। आम हो या खास हैदराबाद पुलिस सभी का चालान बराबरी से काटती है।

मितरा रे हौसला बढ़ाने वाला गाना है-जसलीन रॉयल

अजय देवगन और अमिताभ बच्चन-स्टारर रनवे 34 का पहला गाना मितरा रे रिलीज हो गया है। यह नायक, कैप्टन विक्रांत खन्ना की अशांत मन की स्थिति को व्यक्त करता है, जिसकी उड़ान उसके नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण आसमान में एक रहस्यमय और अज्ञात मोड़ लेती है। मितरा रे गाना एक ऐसे व्यक्ति के संघर्ष को प्रदर्शित करता है जो यात्रियों से भरे एक विमान के साथ फंस जाता है। जसलीन रॉयल द्वारा रचित इस गाने को अरिजीत सिंह और जसलीन रॉयल ने गाया है। जबकि गाने को आदित्य शर्मा ने लिखा है। गाने के बारे में बात करते हुए जसलीन कहती हैं कि मितरा रे उस समय के बारे में है जब आप जीवन में बहुत हताशा महसूस करते हैं लेकिन आप जानते हैं कि जो कुछ भी हुआ उसे रोकने की आपने पूरी कोशिश की। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, रनवे 34 में महानायक अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह, बोमन ईरानी और यूट्यूबर कैरी मिनाटी शामिल हैं। अजय देवगन द्वारा निर्देशित, रनवे 34 अजय देवगन की एफ फिल्म्स द्वारा निर्मित है। यह कुमार मंगत पाठक, विक्रांत शर्मा, संदीप हरीश केवलानी, तरलोक सिंह जेठी, हसनैन हुसैनी और जय कनुजिया द्वारा सह-निर्मित है। फिल्म 29 अप्रैल को ईद पर रिलीज के तैयार है।

भारत को गौरव जीतने वाली पहली भारतीय और एमिगला 2022 में सबसे शक्तिशाली महिला बनीं उर्वशी

बॉलीवुड की सबसे कम उम्र की सुपरस्टार उर्वशी रौतेला अपनी दिन-प्रतिदिन की उपलब्धियों से सभी को गौरवान्वित करती रही हैं। अभिनेत्री अपनी अद्भुत विशेषताओं से दर्शकों को लुभाने में कभी विफल नहीं होती है।

बॉलीवुड में आने के बाद से वह लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ती जा रही हैं। उसने अपने ताज में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जोड़कर एक बार फिर हम सभी को गौरवान्वित किया है। उसने हाल ही में एमिगला अवार्ड्स में भाग लिया और अपने संग्रह में एक और पुरस्कार जोड़ा। इतना ही नहीं उन्होंने हाल ही में दुनिया के इकलौते सात सितारा होटल बुर्ज अल अरब में परफॉर्म किया। अभिनेत्री ने एक बार फिर एमिगला 2022 अवार्ड्स में इंडियाज प्राइड का पुरस्कार और सबसे शक्तिशाली महिला पुरस्कार जीतकर हम सभी को गौरवान्वित किया है। पुरस्कार के लिए मंच पर पहुंचते ही अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लग रही थीं। हम इस प्रतिभाशाली दिवा से अपनी नज़रें नहीं हटा पा रहे थे। उन्होंने माइकल सिन्को ब्लू जिरकोन क्रिस्टलाइज्ड गाउन का कॉउचर पहनना चुना। उर्वशी ने एक मत्स्यांगना पोशाक का चयन किया जिसमें एक प्यारी गर्दन के साथ एक ट्यूब गहरी गर्दन थी। जाँघ-ऊँची डिज़ाइन के माध्यम से उन ज़िक्रोन क्रिस्टल समुद्र के साथ पूरे पहनावा ने हमेशा की तरह उसके लुक को शानदार बना दिया। मेकअप के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री अपनी आंखों के साथ पूरी तरह से बोल्ड हो गई, एक नीली परफेक्ट ब्लेंडेड आईशैडो, एक परफेक्ट विंग लाइन के साथ-साथ उन भारी लैशेज और एक न्यूड लिप शेड के साथ लुक में उस परफेक्ट ग्लैम को जोड़ने के लिए, और उन परफेक्ट चीकबोन्स और ब्लश के साथ। उसे हमेशा की तरह और भी आकर्षक बना दिया। अभिनेत्री ने आधे-अधूरे, आधे-नीचे के केश को चुना, जिसमें उनके बाल ढीले लहराते कर्ल में बचे थे। हीरे की कुछ अंगूठियों के साथ छोटे, कम से कम झुमके और कंगन, हमारी आंखों को बहुत चौंका देने वाले लग रहे थे। भागफल के पूरे लुक की कीमत 40 लाख रुपये थी, जिसे उर्वशी ने बेहतरीन तरीके से कैरी किया। जैसे ही अभिनेत्री ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, उसने बुर्ज अल अरब के शीर्ष पर 50,000 लोगों के सामने भी प्रदर्शन किया। उन्होंने पुरस्कार जीता और अपने सभी प्रशंसकों और परिवार को हमेशा उन पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद दिया। वह इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय हैं। और इसमें कोई शक नहीं कि वह जीवन के हर चरण में भारतीय और हम में से प्रत्येक को गौरवान्वित कर रही हैं।

12 अगस्त को रिलीज होगी समांथा-स्टारर यशोदा

चेन्नई। हरि और हरीश द्वारा निर्देशित अभिनेत्री समांथा की आगामी फिल्म यशोदा इस साल 12 अगस्त को रिलीज होगी। निर्माताओं ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। फिल्म को श्रीदेवी मूवीज के लिए निर्माता शिवलेंका कृष्णा प्रसाद द्वारा बैंकरोल किया गया है। घोषणा करते हुए, निर्माता शिवलेंका कृष्ण प्रसाद ने कहा, समांथा ने न केवल अभिनय में बल्कि यशोदा के फाइट सीक्वेंस में भी शानदार प्रदर्शन किया है। हम 12 अगस्त में तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में फिल्म को एक साथ रिलीज कर रहे हैं। शूटिंग मई के अंत तक पूरी हो जाएगी। इस एक्शन थ्रिलर में एक प्लॉट है जो राष्ट्रीय स्तर के दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। हाल ही में एक बड़े सेट में एक प्रमुख शेड्यूल को पूरा करते हुए, हम आज कोडाईकनाल में एक और शूट पर जा रहे हैं। समांथा के अलावा, वरलक्ष्मी सरथकुमार, उन्नी मुकुंदन, राव रमेश, मुरली शर्मा, संपत राज, शत्रु, मधुरिमा, कल्पिका गणेश, दिव्या श्रीपदा, प्रियंका शर्मा और अन्य प्रमुख भूमिकाएं निभा रहे हैं। एम. सुकुमार फिल्म के लिए फोटोग्राफी के निर्देशक हैं, जिसके स्टंट वेंकट द्वारा कोरियोग्राफ किए जाएंगे।

सोनू सूद से फैन ने की गर्मी में बियर पिलाने की अपील

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने कोरोनाकाल में लोगों की दिल खोलकर मदद की। सोनू सूद की मदद का यह सिलसिला अभी भी जारी है। कई लोग उन्हें सोशल मीडिया पर मदद की अपील करते हैं। एक्टर भी लोगों की हरसंभव मदद करने का प्रयास करते हैं। लेकिन कई बार लोग सोनू सूद से अजीबों-गरीब डिमांड भी कर देते हैं। सोनू सूद भी ऐसे लोगों को मजेदार अंदाज में जवाब देते हैं। अब एक यूजर ने एक्टर से गर्मी में ठंडी बियर पिलाने की डिमांड कर दी है। एक यूजर ने सोनू सूद को ट्विटर पर एक तस्वीर टैग की है। इस तस्वीर में एक व्यक्ति पोस्टर हाथ में पकड़े नजर आ रहा है। जिसपर लिखा है, सर्दियों में कंबल दान करने वालो, गर्मियों में ठंडी बीयर नहीं पिलाओगे। इस तस्वीर के साथ यूजर ने लिखा, कहां हो सोनू सूद। वहीं सोनू सूद ने भी इस यूजर को मजेदार अंदाज में जवाब दिया है। उन्होंने लिखा, बियर के साथ भुजिया चलेगा? सोनू सूद के इस जवाब पर फैंस मजेदार कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, जाके मोदीजी से क्यों नहीं मांगते।

जब मैं फिल्मों में आई तो मुझे निर्माता की भूमिका के बारे में नहीं पता था: विद्या बालन

विद्या बालन ने अतीत में फिल्मों में अपनी हर पसंद के साथ बॉलीवुड में महिला केंद्रित फिल्मों को फिर से जगह दी है। अपनी पिछली तीन रिलीज - शकुंतला देवी, शेरनी और जलसा में उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा में बदलाव लाने के लिए इस तरह की सामग्री का समर्थन करने वाले निर्माताओं के महत्व के बारे में बताया। अबुदंतिया एंटरटेनमेंट इन तीनों परियोजनाओं का समर्थन करने वाले प्रोडक्शन हाउस में से एक था। विद्या ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो, जब मैं फिल्म उद्योग में शामिल हुई, तो मुझे फिल्म बनाने में एक निर्माता की सटीक भूमिका के बारे में नहीं पता था, लेकिन समय के साथ, जब से मैंने कई महिला प्रधान फिल्मों में काम किया है, चाहे वह इश्किया, नो वन किल्ड जेसिका और इसी तरह, मुझे फिल्म निर्माण के बारे में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात का एहसास हुआ। एक फिल्म विशेष रूप से अगर यह अपरंपरागत है, कागज पर सफल नहीं है, तो ऐसी फिल्मों को बनाने और लक्षित दर्शकों के लिए इसे सही ढंग से रिलीज करने के लिए पर्याप्त जोखिम लेने के लिए निर्माता की अत्यधिक देखभाल और बैकअप की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा, एक फिल्म के लिए एक निर्माता और निर्देशक की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण होती है, अगर एक पिता है, तो दूसरी फिल्म की मां है। यह कहने के बाद कि मैंने विक्रम के साथ लगातार तीन सफल फिल्मों में काम किया है और मुझे कहना होगा, उनका प्रोडक्शन हाउस न केवल रचनात्मक सशक्तिकरण के बारे में बात करता है, बल्कि वास्तव में आगे बढ़ने और ऐसी फिल्में बनाने की बात करता है, जो कहानी कहने में बहुत महत्वपूर्ण हैं। दूसरी ओर, अबुदंतिया एंटरटेनमेंट के सीईओ विक्रम मल्होत्रा स्वीकार करते हैं कि एक प्रोडक्शन हाउस के रूप में, वे पहले कहानी पर ध्यान केंद्रित करते हैं और फिर बाकी उसके लिए अनुसरण करते हैं। विक्रम ने बताया, हां, चाहे वह शकुंतला देवी, शेरनी और जलसा हो, ये महिला प्रधान फिल्में हैं। लेकिन हमारे लिए, ये सभी कहानियां समान रूप से महत्वपूर्ण, आकर्षक और मनोरंजक हैं। इसलिए हम एक फिल्म बनाते हैं। हमारा पैरामीटर सरल है। हम कहानीकार की दृष्टि को प्रस्तुत करते हैं, उसके बाद दर्शकों का आकार जो कहानी को प्रभावित कर सकता है और इसके बाद बजट और मंच का आर्थिक विचार आता है। जबकि इन तीनों फिल्मों का मिजाज बहुत अलग है, विक्रम ने साझा किया कि कैसे यह अभिनेत्री-निर्माता की जोड़ी उनके लिए पूरी तरह से काम कर रही है। विक्रम ने कहा, किसी भी रचनात्मक सहयोग में, संवेदनशीलता से मेल खाना महत्वपूर्ण है, हमारी जोड़ी अद्भुत है। साथ ही फिल्म के सेट पर, वह बस इतनी खुशी लाती है और पूरी यूनिट को खुश करती है कि काम के दबाव में भी, प्रक्रिया सुखद हो जाती है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्में शकुंतला देवी और शेरनी भले ही शुरू में नाटकीय रूप से रिलीज होने की योजना बना रही थीं, लेकिन महामारी के कारण दोनों ही प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थीं। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि 70 मिमी स्क्रीन पर एक फिल्म का अनुभव करना हमेशा एक भोग होता है, विक्रम और विद्या ने इसकी ओटीटी रिलीज के महत्व का उल्लेख किया। विक्रम ने कहा, दोनों को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज करना एक संयुक्त निर्णय था, क्योंकि हम चाहते थे कि फिल्में तब रिलीज हों जब सामग्री ताजा हो, दर्शक महामारी से गुजरते हुए इसे देखने का इंतजार कर रहे हों। यह हमारे उद्योग के लिए अनिश्चित समय था। दूसरी तरफ दर्शक ऐसी कहानियों का जश्न मनाने के लिए तेजी से परिपक्व हो रहे हैं। इसके अलावा, विद्या ने कहा, इसके अलावा, मुझे लगता है कि ओटीटी रिलीज ने हमें उस समय हमारी फिल्मों के लिए एक अकल्पनीय दर्शकों तक पहुंच प्रदान की है। मुझे लगता है कि हम अब दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ का आनंद ले रहे हैं। अबुदंतिया एंटरटेनमेंट अब अक्षय कुमार अभिनीत दिवाली रिलीज राम सेतु के लिए कमर कस रहा है, इसके बाद जूही चावला और सोहा अली खान के साथ हश हश, सूररई पोटरु की रीमेक और छोरी 2 के साथ कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स हैं। प्राइम वीडियो पर जलसा की स्ट्रीमिंग हो रही है।

करियर विकल्प के रूप में डिजाइन अध्ययन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नई शिक्षा नीति अभिनव कौशल आधारित कार्यक्रमों के विभिन्न चैनलों को खोलने पर केंद्रित है जो भविष्य के उद्यमिता और पेशेवर रूप से सुसज्जित नेताओं के लिए अवसर पैदा करेंगे। कोर डिजाइन अध्ययन के कई संबद्ध क्षेत्रों ने अब स्वतंत्र विशेषज्ञता का दर्जा हासिल कर लिया है।

व्यापक संगठनात्मक गतिविधियों की हालिया कार्य-विभाजन संरचना कई विकेन्द्रीकृत सेवा प्रदाताओं के एक पंथ को बनाने में विभाजित हो गई है, जिनमें से प्रत्येक कोर कौशल सेट अपने हिस्से के जिम्मेदारियों को आसानी, सटीक और समयबद्ध तरीके से वितरित करने में सक्षम है।

आर्किटेक्चर एजुकेशन जैसे कोर डिजाइन प्रोग्राम डिजाइन स्टडीज के केंद्र के रूप में उभरे हैं और इससे उभरने वाले विशिष्ट हितों को विकसित करने के लिए पर्याप्त जगह और उत्तोलन का निर्माण हुआ है। डिजाइन अध्ययन आधारित कार्यक्रम की विशिष्टता यह है कि वे जीवन कौशल विकसित करने में निहित हैं जिनका सार्वभौमिक अनुप्रयोग है। डिज़ाइन प्रोग्राम विज़ुअलाइज़ेशन के साथ-साथ चित्रमय प्रतिनिधित्व विकसित करते हैं।

एक बहुमुखी क्षेत्र होने के कारण डिजाइन उद्योग और संबंधित

विकास के साथ बातचीत को प्रोत्साहित करता है। डिज़ाइन पेशेवर व्यक्तिगत पसंद और रुचियों के आधार पर व्यापक दायरे में काम कर सकते हैं।

डिज़ाइन कार्यक्रम विशिष्ट कौशल सेट आधारित कार्यक्रम हैं और सीखने की प्रक्रिया में संरक्षक और सलाहकार की भागीदारी की आवश्यकता होती है।

डिजाइन कार्यक्रम पहले प्रतिभाशाली रचनात्मक विशेषताओं और ड्राइंग कौशल वाले उम्मीदवारों के लिए माना जाता था, हालांकि आज नवीनतम गैजेट्स और सॉफ्टवेयर के आगमन के साथ यह मिथक अब प्रासंगिक नहीं है।

उपलब्ध जानकारी और ज्ञान की मात्रा कौशल सेट विकसित कर सकती है जो एक रचनात्मक पेशेवर को समर्पित और प्रतिबद्ध कार्य के साथ मंथन करने के लिए पर्याप्त हैं।

यदि आप डिजाइन के क्षेत्र में करियर की जांच करना चाहते हैं तो आप इस तरह के कार्यक्रमों के बारे में अधिक जानने और प्रवेश प्रक्रिया, योग्यता और इसके लिए आवश्यक तैयारी के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए n a t a . i n और tsapmumbai.in की वेबसाइट देख सकते हैं।

पश्चिम रेलवे आरपीएफ का वर्ष 2021 मे यात्री सुरक्षा के लिए बेहतरीन प्रदर्शन

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय। मुंबई

पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने यात्री सुरक्षा और सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन सीसीटीवी से मामलों का पता लगाने में दर्ज 487.5% की बढ़ोतरी की है उत्कृष्टता की ओर आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे ने साल दर साल खुद को बेहतर बनाया है। पश्चिम रेलवे का रेल सुरक्षा बल (RPF) अपने यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर बनाने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है वर्ष 2021 में पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने कई बेहतरीन कार्य किए हैं। पश्चिम और मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने आरपीएफ द्वारा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अपनी अद्भुत उपलब्धियों के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की है.एक आकडो की जानकारी अनुसार रेलवे अधिनियम के तहत विभिन्न मामलों से वसूल किए गए जुर्माने में 90% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल द्वारा सामान का पता लगाने और उन्हें सही मालिकों को सौंपने के मामलों का प्रतिशत 97.5% बढ़ा है। एनडीपीएस मामलों का पता लगाने और आगे की जांच के लिए सौंपने के मामलों में 180 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पता लगाए गए मामलों की संख्या में वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में 487.5% की वृद्धि हुई। पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने वर्ष भर यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए कई अभियान चलाए। वर्ष 2021 में ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने सीडब्ल्यूसी और गैर सरकारी संगठनों के समन्वय में अनुवर्ती कार्रवाई के साथ 385 लड़कों और 212 लड़कियों को बचाया। वर्ष के दौरान रेल सुरक्षा बल ने लगभग 2.58 करोड़ रु. मूल्य के सामानों को उनके असली मालिकों को लौटाया। पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने अपनी ड्यूटी से परे अपनी जान जोखिम में डालकर कर विभिन्न रेलवे स्टेशनों और परिसरों में चलती ट्रेनों के नीचे आ जाने के खतरों से 34 लोगों की जान बचाई है। रेल परिसर में रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे का रेल सुरक्षा बल विशेष प्रयास कर रहा है। इस संबंध में रेलवे संपत्ति के विरुद्ध अपराध की रोकथाम/पहचान में 62 लाख रुपये मूल्य की रेल संपत्ति जब्त की गई और 847 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि रेल सुरक्षा बल मिशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के खिलाफ अपराध से निपटने में राज्य पुलिस के प्रयासों के साथ मिलकर इसे पूरा करता है। रेल सुरक्षा बल यात्रियों की शिकायतों के निवारण के लिए रेल मदद, ट्विटर और हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समाधान करता है। वर्ष 2021 में आरपीएफ ने 291 अपराधियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस के हवाले किया। ऑपरेशन सतर्क के तहत पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने अवैध शराब, नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन), तंबाकू और उसके उत्पादों, बेहिसाब नकदी, कीमती सामान, तस्करी, प्रतिबंधित वस्तुएं आदि के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। रेल सुरक्षा बल द्वारा 26 लाख से अधिक मूल्य की वस्तुएं बरामद की गईं और 359 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विधि-प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया। रेलवे प्रणाली के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के खतरे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नारकोस के तहत अभियान चलाया और 27 लाख रुपये से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री बरामद की।यात्रियों को आरक्षित टिकटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस संबंध में रेल सुरक्षा बल द्वारा 833 दलालों की गिरफ्तारी के साथ दलालों द्वारा अवैध रूप से बुक किए गए लगभग 2.15 करोड़ रु. मूल्य के यात्रा टिकट जब्त किए गए। इसके अलावा अनधिकृत तरीके से यात्रा सीट/स्थान पर कब्जा करने वाले 13,846 यात्रियों से 34,72,630 रुपये जुर्माना के रूप में वसूल किया गया। ऑपरेशन समय पालन के तहत पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने ट्रेनों की समयपालनता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके अंतर्गत अनधिकृत रूप से अलार्म चेन खींचने के अपराध के लिए 2863 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

- अपराधो की जांच और अपराधी की धरपकड़ के लिए सीसीटीवी से मामलों का पता लगाने में दर्जे487.5%की बढ़ोतरी
- 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में बेहतरीन प्रदर्शन और 487.5% की वृद्धि हुई
- 385 लड़कों और 212 लड़कियों को बचाया गया वर्ष 2021 के दौरान रेल सुरक्षा बल ने लगभग 2.58 करोड़ रु. मूल्य के कीमती सामान को उनके मालिकों को लौटाया

भाजपा के 42 स्थापना दिवस पर मीरा भाईदंर मे कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजन संपन्न

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय।

भाईदंर भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर मीरा भायंदर शहर जिला द्वारा 'कार्यकर्ता सम्मेलन' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुबंई बान्द्रा के विधायक आशीष शेलार की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ॲड .अखिलेश चौबे (प्रदेश सचिव)ज्योत्स्ना हसनाले (महापौर,मिरा भाईंदर),महाराष्ट्र युवा मोर्चा उपाध्यक्ष गौरव पोरवाल रवि व्यास व्यास (जिला अध्यक्ष,मिरा-भाईंदर शहर जिला),वरिष्ठ नगरसेवक रोहितदास पाटिल,वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांत वैति पूर्व जिल्हा अध्यक्ष हेमंत म्हात्रे,संघठन महामंत्री अनिल भोसले ,कोषाध्यक्ष सुरेश खंडेलवाल पंकज पांडे (दरोगा)जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा रानी मेहता (महिला अध्यक्ष मीरा भाईदंर शहर)एवं सभी वरीष्ठ नेता,सभी जिल्हा महामंत्री, सर्व मंडल अध्यक्ष, जिल्हा सदस्य, मंडल सदस्य, सर्व प्रकोष्ठ अध्यक्ष और भारी तादाद मे कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में धूमधाम से 42 वां स्थापना दिवस मनाया गया।

मुंबई में शरद पवार के घर के बाहर उग्र प्रदर्शन:NCP चीफ के घर के बाहर हजारों की तादाद में इकट्ठा हुए ट्रांसपोर्ट कर्मचारी, चप्पलें फेंकी, पथराव किया

NCP प्रमुख शरद पवार के मुंबई स्थित घर यानी 'सिल्वर ओक' अपार्टमेंट के बाहर स्टेट ट्रांसपोर्ट (ST) के कर्मचारी उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। हजारों की संख्या में पहुंचे कर्मचारी लगातार नारेबाजी कर रहे हैं और कुछ ने घर पर पथराव भी किया है, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज कर दिया है। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति लगातार बनी हुई है।

महाराष्ट्र में पिछले छह महीने से महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (MSRTC) के कर्मचारी लगातार हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें 15 अप्रैल तक काम पर लौटने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि अगर 15 अप्रैल तक कर्मचारी काम पर नहीं लौटते हैं तो निगम को उन पर कार्रवाई का अधिकार होगा। कोर्ट ने निगम को कहा है कि कर्मचारी काम पर लौटते हैं तो उन्हें काम पर हाजिर होने दिया जाए और अगले चार सालों तक राज्य सरकार परिवहन निगम को चलाए। इसके बाद आर्थिक स्थितियों के आधार पर अगला फैसला किया जाए।

सुप्रिया सुले बोलीं- हम बातचीत को तैयार

यह भी जानकारी सामने आ रही है कि स्टेट ट्रांसपोर्ट के कर्मचारियों ने NCP चीफ के घर पर चप्पल भी फेंकी हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने 'भारत माता की जय, वंदे मातरम' के नारे लगाए। हालांकि, बाद में दंगा गियर की टीम ने सभी को जबरदस्ती घर से बाहर निकाला।

बारामती से सांसद और NCP चीफ की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा, 'मेरे माता-पिता घर पर हैं। हम आप से बात करने को तैयार हैं।' हालांकि, सुप्रिया सुले के इस आश्वासन के बाद भी प्रदर्शनकारी नाराज हैं।

आंदोलन की वजह राज्य सरकार के कर्मचारियों जैसी सुविधाएं

बता दें कि राज्य परिवहन निगम के कर्मचारी एक ही मांग पर डटे हुए हैं कि निगम का विलय राज्य प्रशासन में किया जाए और उन्हें वही सुविधाएं मिलें जो राज्य सरकार के कर्मचारियों को मिला करती हैं। इस मामले पर तीन सदस्यों की एक समिति गठित हुई है।

समिति की रिपोर्ट में कर्मचारियों की कई मांगों को मान लिया गया है। जिनमें वेतन वृद्धि, समय पर वेतन मिलने जैसी बातें थीं, लेकिन विलय की संभावनाओं से इनकार किया गया है। कर्मचारी विलय से कम की शर्त पर हड़ताल खत्म करने को तैयार नहीं हो रहे हैं और आज इसी मांग को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इससे महाराष्ट्र के दूर-दराज के लोगों को निजी परिवहन के साधनों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जो काफी महंगा पड़ रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मनपा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का सम्मान

मुंबई तरंग
संवाददाता। भाईदंर

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर गत 7 अप्रैल गुरूवार को मीरा भाईदंर मनपा मुख्यालय पर शहर की महापौर ज्योत्सना हस्नाले की उपस्थिति मे कोराना महामारी मे मनपा स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर ,नर्स और स्वास्थ्य कर्मचारियों की बेहतरीन सेवाओं के लिए उन्हे सम्मानित किया गया इस अवसर पर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले,मनपा सदन के अध्यक्ष राकेश शाह,अतिरिक्त आयुक्त विजय कुमार म्यहसाल अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त मारूति गायकवाड़, चिकित्सा उपायुक्त संजय शिंदे, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी नंदकिशोर लाहने तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही। इस अवसर पर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने कहा कि मनपा स्वास्थ्य विभाग और शहर के तमाम डाक्टर नर्स की सेवा प्रशंसनीय है और उनके द्वारा मरीजो की सेवा वाकई मे सराहनीय है शहर की महापौर ज्योत्सना हस्नाले ने भी सभी डाक्टर नर्स आशा वर्कर और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी तथा सभी को प्रशस्ति पत्र के साथ तुलसी का पौधा प्रदान किया गया।

मीरा भाईदंर मनपा क्षेत्र मे गत गुरूवार को जंजीरे धारावा किला और चिमाजी अप्पा स्मारक का थाणे सासंद राजन बिचारे, मीरा भाईदंर विधायिका गीता जैन ,थाणे जिला के जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर सहित मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ,मनपा अभियंता शिवाजी बारकुंड, कार्यकारी अभियंता दिपक खाभिंत उप उध्यान अधीक्षक हंसराज मेश्राम और मनपा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर किला सहित स्मारक के निर्माणाधीनकार्यो की समीक्षा की गयी तथा स्मारक के रख रखाव के समुचित निर्देश दिए गये।

'मुंबई को केंद्रशासित प्रदेश बनाने का षड्यंत्र रच रही बीजेपी, मेरे पास सबूत', संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई : महाराष्ट्र की शिवसेना सरकार और केंद्र के बीच पिछले दिनों से लगातार खींचतान चल रही है। शिवसेना राज्यसभा सांसद संजय राउत पर केंद्रीय एजेंसी निशाना साध रही है जिसे लेकर वह लगातार केंद्र पर निशाना साध रहे हैं। अब संजय राउत ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की साजिश रच रही है। संजय राउत ने दावा किया कि मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक प्रजेंटेशन भी दिया है। राउत ने कहा कि भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया और पार्टी नेताओं, बिल्डर, व्यापारियों का एक समूह इस साजिश का हिस्सा है।

'बजट किया जा रहा एकत्र'

शिवसेना प्रवक्ता ने कहा, 'मुंबई को केंद्रशासित प्रदेश बनाने संबंधी प्रस्तुति (इस समूह द्वारा) गृह मंत्रालय को दी गई है। बैठकें हुई हैं और इस कार्य के लिए निधि एकत्र की जा रही है। यह पिछले दो महीने से चल रहा है और मैं पूरी जवाबदेही के साथ यह बात कर रहा हूं। मेरे पास मेरी बात साबित करने के लिए सबूत है। मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) को भी इस बारे में जानकारी है।'

'किरीट सोमैया के जरिए होगा प्रयास'

शिवसेना सांसद ने दावा किया कि इस बात की संभावना है कि सोमैया के नेतृत्व वाला समूह अगले कुछ महीनों में अदालत जाकर कहेगा कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मराठी लोगों का प्रतिशत बहुत कम हो गया है और इसलिए शहर को केंद्र सरकार के शासन के तहत एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए।

संजय राउत ने कहा कि सोमैया ने इससे पहले विद्यालयों में मराठी को अनिवार्य भाषा बनाने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी थी।

महाराष्ट्र में बेज़ुबान संग घिनौनी वारदात:मॉनिटर लिजर्ड संग रेप के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार, मोबाइल फोन से तैयार किया वारदात का वीडियो

महाराष्ट्र के सह्याद्री टाइगर रिसर्व(प्रोजेक्ट) में तीन युवकों को एक जंगली जानवर से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों पर छिपकली घोरपड यानी गोह (मॉनिटर लिजर्ड) कहे जाने वाले जंतु संग कथित तौर पर रेप करने और उसे मारने की कोशिश करने का आरोप है। इस घटना का एक वीडियो पुलिस के हाथ लगा था, जिसके बाद यह कार्रवाई गुरुवार को हुई है। तीनों आरोपी टूरिस्ट हैं और यहां शिकार के लिए रुके थे। जिन तीन लोगों को अरेस्ट किया गया है उनमें संदीप तुकाराम, पवार मंगेश और जनार्दन कामदेकर शामिल हैं। इनके अलावा अक्षय सुनील कामटेकर नाम का एक और आरोपी अभी फरार है। इन सभी पर पशु क्रूरता एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जो वीडियो वन विभाग के हाथ लगा है, उसे इन्होंने अपने फोन से तैयार किया था। ये सभी चंदौली जंगल में शिकार के लिए गए थे। हथियार लेकर शिकार करने गए थे आरोपी यह घटना 31 मार्च की है, लेकिन इनकी गिरफ्तार गुरुवार को हुई है। आरोपियों की तस्वीरें बाघों की संख्या की गणना के लिए लगाए गए ट्रैकर कैमरे में भी कैद हुई हैं। तस्वीरों में ये हथियार के साथ जंगल में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। मोबाइल वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों ने एक स्पेशल टीम तैयार कर गुप्त जानकारी के आधार पर दो आरोपियों को रत्नागिरी के संगमेश्वर तहसील से हिरासत में लिया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।